कोटद्वार, रविवार
22 मार्च 2026
वर्षः 48
अंकः 292 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

धामी बनें 'धुरंधर', उत्तराखंड विकास की राह पर अग्रसर : राजनाथ सिंह

धामी सरकार के फैसले बने मिसाल, विकास को मिली रफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : उत्तराखंड सरकार के चार साल बेमिसाल कार्यक्रम के तहत हल्द्वानी स्थित एमबी इंटर कॉलेज में आयोजित भव्य जनसभा में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रक्षा मंत्री का नंदा देवी मंदिर की प्रतिकृति एवं स्थानीय हस्तनिर्मित शॉल भेंट कर स्वागत किया। रक्षामंत्री ने धामी सरकार की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ तेजी से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि ‟धामी न केवल धाकड़ हैं, बल्कि अब धुरंधर बन चुके हैं‟, जो प्रदेश के विकास के लिए निरंतर प्रभावी निर्णय ले रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में उत्तराखंड के शहीदों को नमन करते हुए कहा कि यह देवभूमि आस्था, अध्यात्म, ऋषि-मुनियों और तपस्वियों की भूमि रही है। यहां के लोग सौम्य, परिश्रमी और राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में राज्य निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है और आज देश के अग्रणी राज्यों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर चुका है और यह यात्रा बलिदान, संघर्ष और विकास की कहानी रही है। कहा कि राज्य में सड़क, रेल, हवाई कनेक्टिविटी, बिजली क्षमता विस्तार, पर्यटन, रोजगार और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में तेजी से कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तराखंड देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। छोटा राज्य होने के बावजूद हर क्षेत्र में उत्तराखंड ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने बताया कि राज्य की जीडीपी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और प्रति व्यक्ति आय में भी बड़ा इजाफा दर्ज किया गया है, जो विकास की गति को दर्शाता है। रक्षा मंत्री ने धामी सरकार के महत्वपूर्ण निर्णयों-यूनिफॉर्म सिविल कोड, नकल विरोधी कानून, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई और सीमांत गांवों के विकास को मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य है जिसने यूसीसी लागू कर सामाजिक न्याय की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य, रामसिंह कैडा, प्रदीप बत्रा, मदन कौशिक, गणेश जोशी, खजान दास, केन्द्रीय मंत्री अजय टम्टा, सांसद अजय भट्ट, राज्यसभा सांसद व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भटट, विधायक बंशीधर भगत, दिवान सिंह बिष्ट, सरिता आर्या, डा. मोहन सिंह बिष्ट, शिव अरोडा, सुरेश गड़िया सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

देश रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के मंत्र के साथ बढ़ रहा आगे : धामी

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने संबोधन में केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों का विस्तृत उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहा है और आज वैश्विक स्तर पर सशक्त भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में बीते चार वर्षों में निवेश, पर्यटन, बुनियादी ढांचे, उद्योग और रोजगार के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के माध्यम से बड़े निवेश समझौते हुए हैं, जबकि स्टार्टअप और उद्योगों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि महिलाओं के सशक्तिकरण, युवाओं को रोजगार, पारदर्शी भर्ती प्रणाली और भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई जैसे कदमों से राज्य में सकारात्मक बदलाव आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होमस्टे, होटल और धार्मिक स्थलों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही, सीमांत क्षेत्रों में विकास कार्यों से रिवर्स पलायन को भी बढ़ावा मिला है।

अगले सात दिन तक कई जिलों में बारिश और बर्फबारी की चेतावनी

देहरादून : मौसम विभाग ने 22 मार्च को उत्तराखंड के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कुछ जगहों पर आंधी-तूफान के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई है। इन्हीं जिलों में 3300 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाले स्थानों पर गरज चमक और तेज हवाओं के साथ बर्फबारी की भी चेतावनी जारी की गई है। उत्तराखंड के बाकी जिलों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

मौसम विभाग ने 23 मार्च को उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कुछ स्थानों पर गरज चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। इन्हीं जिलों के 3300 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाले स्थानों पर गरज चमक के साथ बर्फबारी की चेतावनी दी है। उत्तराखंड के बाकी पहाड़ी जिलों में गरज चमक के साथ छिटपुट हल्की बारिश की संभावना है। मैदानी जिलों में मौसम शुष्क रह सकता है। मौसम विभाग ने 24, 25 और 26 मार्च को उत्तराखंड के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में 3300 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाली कुछ जगहों पर आंधी-तूफान के साथ हल्की बारिश या बर्फबारी की संभावना है। उत्तराखंड के बाकी जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। मौसम विभाग ने 27 मार्च को उत्तराखंड के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में कुछ स्थानों पर गरज चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी दी है। इन्हीं जिलों में 3300 मीटर और उससे अधिक ऊंचाई वाले स्थानों पर बर्फबारी के भी आसार हैं। उत्तराखंड के बाकी पहाड़ी जिलों में छिटपुट स्थानों पर गरज चमक के साथ बहुत हल्की बारिश की संभावना है। उत्तराखंड के मैदानी जिलों में मौसम शुष्क रह सकता है। (एजेंसी)

एक नजर

लकड़ी की बल्ली गर्भवती के सर पर लगने से मौत

उत्तरकाशी। कांडा गांव में निर्माणाधीन होटल की बिल्डिंग में मजदूरी कर रही एक गर्भवती महिला के सिर पर लकड़ी की बल्ली गिरने से उसकी मौत हो गई। थानाध्यक्ष देवराज शर्मा ने बताया कि शनिवार दोपहर बाद करीब तीन बजे पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय के समीप कांडा गांव में निर्माणाधीन एक होटल की बिल्डिंग में गर्भवती प्रमिला (22) पत्नी भीम सिंह निवासी ग्राम चपाड़ी जिला गुमला झारखंड जमीन पर लगे मिक्सर मशीन में काम कर रही थी। इस दौरान दूसरी मंजिल से लकड़ी की बल्ली गिर कर सीधे महिला के सिर पर जा लगी। इस कारण वह बेहोश होकर गिर पड़ी। बताया गया कि वहां मौजूद ठेकेदार ने गंभीर रूप से घायल महिला को अपने वाहन से संयुक्त चिकित्सालय नरेंद्रनगर पहुंचाया। डॉ. स्वर्णिका त्यागी ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि महिला आठ–नौ माह की गर्भवती थी। उसका एक डेढ़ साल का बेटा और ढाई साल की बेटी है। पति–पत्नी पिछले पांच–छह साल से मजदूरी का काम कर रहे थे। थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना दूसरी मंजिल से बल्ली गिरने से होना बताया जा रहा है। मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है।

बारिश से ढही दीवार

उत्तरकाशी। भटवाड़ी विकासखंड के पिलंग गांव में हाल ही में हुई बारिश के चलते गांव के मुख्य रास्ते की सुरक्षा दीवार ढह गई। दीवार गिरने से रास्ते का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है जिससे गांव के पंचायती चौक और आसपास के कई आवासीय मकान खतरे की जद में आ गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आजकल हुई बारिश के कारण पहले से कमजोर पड़ी दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। जिस स्थान पर दीवार गिरी है वह गांव का मुख्य मार्ग है और यहां से रोजाना लोगों की आवाजाही होती है। दीवार ढहने से मार्ग संकरा व असुरक्षित हो गया है। वहीं, नीचे स्थित मकानों पर मलबा गिरने का खतरा भी बना हुआ है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि यदि जल्द सुरक्षा कार्य नहीं हुआ तो बड़ा हादसा हो सकता है। ग्राम प्रधान दीपा राणा, विजयपाल आदि का कहना है कि यदि समय रहते मरम्मत और सुरक्षा कार्य नहीं किए गए, तो और अधिक भूमि धंसने का खतरा बना हुआ है जिससे बड़े नुकसान की आशंका है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल मौके का निरीक्षण कर सुरक्षात्मक दीवार निर्माण और क्षतिग्रस्त मार्ग के पुनर्निर्माण की मांग की। प्रधान दीपा ने बताया कि पिलंग गांव को लंबे समय से भू–धंसाव और दरारों का खतरा बना हुआ है। लेकिन यहां विस्तृत भू–वैज्ञानिक सर्वे अब तक स्पष्ट रूप से नहीं हो पाया है। सरकारी दस्तावेजों में भी गांव के ऊपर पहाड़ी में दरारें पड़ने और अस्तित्व पर खतरे की बात उठ चुकी है। आपदा के लिहाज से भी पिलंग गांव को संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है, जिसके पुनर्वास की कवायद अभी तक फाइलों ही कैद है।

एसयूवी बेचने के नाम पर 16 लाख ठगे

देहरादून : पुरानी कारों की खरीद-फरोख्त करने वाले एक कारोबारी से स्कॉर्पियो बेचने के नाम पर 16 लाख रुपये ठग लिए गए। आरोपियों ने लोन पर ली गई कार की लोन चुकाने की फर्जी एनओसी दिखाकर सौदा किया और रकम ऐंठने के बाद एनओसी देने से मुकर गए। एसएसपी के निर्देश पर पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कर लिया है। रायपुर रोड स्थित शिवलोक कॉलोनी निवासी आशीष कुमार बढेरा की 4 व्हील ड्राइव कार बाजार नाम से पटेलनगर में फर्म है।

पुलिस को दी गई तहरीर में आशीष ने बताया कि अमजद अली नाम के एक कार डीलर ने उन्हें स्कॉर्पियो बेचने का प्रस्ताव दिया और उन्हें किरतपुर (बिजनौर) बुलाया। वहां एक अन्य आरोपी आशीष के घर पर प्रशांत गुप्ता निवासी किरतपुर, बिजनौर से मुलाकात कराई गई। आरोपियों ने बताया कि यह कार उन्होंने मूल मालिक मोहम्मद यूनुस से खरीदी है और उन्हें एक पुरानी एनओसी भी दिखाई। कार का सौदा 15.50 लाख रुपये में तय हुआ। सात मई 2024 को आशीष ने अपने पार्टनर जावेद के बैंक खाते से 15.50 लाख रुपये प्रशांत के खाते में ट्रांसफर किए। जबकि 50 हजार रुपये अमजद को कमीशन के तौर पर दिए।

हल्द्वानी में रसोई गैस को लेकर बवाल, गाड़ी घेरकर किया हंगामा

हल्द्वानी। शहर के तल्ली हल्द्वानी क्षेत्र में रसोई गैस की किल्लत को लेकर शनिवार को लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आशीर्वाद गैस एजेंसी से निकली गैस सप्लाई की गाड़ी जैसे ही फ्रेंड्स कॉलोनी पहुंची, लंबे समय से सिलेंडर का इंतजार कर रहे लोगों ने वाहन को घेर लिया और जोरदार हंगामा शुरू कर दिया। स्थिति इस कदर बिगड़ गई कि मौके पर पुलिस को बुलाना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना था कि वे सुबह 7 बजे से लाइन में खड़े हैं, लेकिन गैस की गाड़ी ग्यारह बजे केवल 40 सिलेंडर लेकर पहुंची, जिससे अधिकांश लोगों को निराशा हाथ लगी। इसी बात को लेकर लोगों का धैर्य जवाब दे गया और आक्रोश बढ़ता चला गया। जैसे–तैसे वाहन चालक ने अलकनंदा कॉलोनी की ओर रुख किया तो पीछे–पीछे लोग वहीं पहुंच गए और एक बार फिर गाड़ी को घेर लिया।लोगों में एजेंसी के खिलाफ नाराजगी जताई। लोगों ने आरोप लगाया कि गैस वितरण में पारदर्शिता नहीं है और सप्लाई को लेकर मनमानी की जा रही है। स्थानीय निवासियों ने यह भी सवाल उठाया कि जब वाहन को धान मिल क्षेत्र में भेजा गया था, तो चालक उसे ट्रांसपोर्ट नगर क्यों ले गया। इसे लेकर लोगों में संदेह और नाराजगी दोनों देखने को मिली। लोगों ने आरोप लगाया कि राजनीतिक दबाव के चलते केवल खास लोगों के लिए गैस के वाहन चालक के ऊपर दबाव बनाया जा रहा है, जिससे जरूरतमंद लोगों तक सिलेंडर नहीं पहुंच पा रहा है। वहीं लगभग दो घंटे बीत जाने के बाद आखिरकार कुछ ही लोगों को सिलेंडर मिल पाया।

कार के नीचे दबे पिथौरागढ़ के युवक की मौत

देहरादून : राजपुर थाना क्षेत्र के शिखर फॉल के पास शुक्रवार रात हुए कार हादसे में पिथौरागढ़ के युवक की मौत हो गई। शनिवार को पुलिस उसके शव का पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद शव को शोकाकुल परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। मृतक युवक देहरादून में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। शुक्रवार को शिखर फॉल पैदल मार्ग के निकट एक कार अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई थी। घटना की सूचना पर पहुंची एसडीआरएफ और राजपुर थाना पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर कार सवार भार्गव शर्मा (24) और दिशा रावल (24) निवासी देहरादून को सुरक्षित बाहर निकाल लिया था। इनका तीसरा साथी मोहित सिंह खड़ायत कार और चट्टान के बीच फंस गया था। वाहन खाई में बेहद खतरनाक स्थिति में अटका हुआ था। मौके पर क्रेन बुलाकर कार उठवाई गई। भारी मशक्कत के बाद जब तक मोहित को कार के नीचे से बाहर निकाला गया तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इंस्पेक्टर राजपुर प्रदीप रावत ने बताया कि मूल रूप से सतशीलिंग, थाना जाजर देवल जिला पिथौरागढ़ का रहने वाला मोहित पुत्र किशन सिंह खड़ायत वर्तमान में भागीरथीपुरम जाखन में किराए पर रह रहा था। वह यहां प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था।

सीएम योगी ने मथुरा में फरसा वाले बाबा की मौत का संज्ञान लिया

सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए

मथुरा ,उत्तर प्रदेश सरकार ने मथुरा में एक गोरक्षक की मौत पर तुरंत प्रतिक्रिया दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। चंद्रशेखर उर्फ 'फरसा वाले बाबाझ् की संदिग्ध हालात में मौत के बाद हिंसा भड़क गई है। आक्रोशित भीड़ ने दिल्ली–आगरा हाईवे जाम कर पथराव और तोड़फोड़ की, जिसके बाद पुलिस को लाठीचार्ज और आंसू गैस का सहारा लेना पड़ा है। मुख्यमंत्री ने जवाबदेही और कानून के पालन के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया है। उन्होंने कहा, दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। कानून–व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चंद्रशेखर एक कंटेनर को रोकने का प्रयास कर रहे थे, तभी पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि संबंधित वाहनों और चालकों की पहचान कर ली गई है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। घटना को लेकर क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। एहतियातन कई इलाकों में पुलिस बल बढ़ा दिया गया है और आने–जाने वाले रास्तों पर निगरानी रखी जा रही है। परिजनों और समर्थकों का आरोप है कि चंद्रशेखर गौ–तस्करों का पीछा कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने ट्रक को रोकने की कोशिश की, लेकिन ट्रक चालक ने रफ्तार बढ़ाते हुए उन्हें कुचल दिया और मौके से फरार हो गया। घटना में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए और आरोपियों की गिरफ्तारी व एनकाउंटर की मांग को लेकर हाईवे जाम कर दिया।

भारतीय नौसेना अपने नवीनतम स्टील्थ युद्धपोत तारागिरी को कमीशन करने के लिए तैयार है

नई दिल्ली ,समुद्र का एक नया हरावलः तारागिरी भारतीय नौसेना की अग्रिम पंक्ति में शामिल होने के लिए तैयार है भारतीय नौसेना, भारत की समुद्री संप्रभुता के एक निर्णायक समारोह में 3 अप्रैल 2026 को अपने नवीनतम स्टील्थ युद्धपोत, तारागिरी (एफ41) को कमीशन करने की तैयारी कर रही है। विशाखापत्तनम में आयोजित होने वाले इस समारोह की अध्यक्षता माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह करेंगे। यह राष्ट्र के पूर्णतः आत्मनिर्भर नौसैनिक शक्ति बनने की दिशा में किए जा रहे प्रयास का एक सशक्त प्रमाण होगा। प्रोजेक्ट 17ए श्रेणी के चौथे शक्तिशाली प्लेटफॉर्म के रूप में तारागिरी केवल एक युद्धपोत नहीं है; यह 6,670 टन का 'मेक इन इंडिया' भावना और हमारे स्वदेशी शिपयार्डों की परिष्कृत इंजीनियरिंग क्षमताओं का प्रतीक है।

मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा निर्मित यह युद्धपोत अपने पूर्ववर्ती डिज़ाइनों की तुलना में एक पीढ़ीगत विकास का प्रतिनिधित्व करता है। इसका आकार अधिक सुव्यवस्थित है और इसमें कम रडार क्रॉस–सेक्शन है, जिससे यह घातक स्टील्थ तकनीक से कार्य करने में सक्षम है। 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री से बना यह युद्धपोत घरेलू औद्योगिक तंत्र की परिपक्वता को दर्शाता है। इस कार्य में अब 200 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) शामिल हैं। जो भारत सरकार की आत्मनिर्भरता पहल में योगदान करते हुए हजारों भारतीयों को रोजगार प्रदान करते हैं। तारागिरी एक संयुक्त डीजल या गैस (सीओडीओजी) प्रणोदन संयंत्र द्वारा संचालित है, जिसे 'उच्च गति– उच्च सहनशक्ति' की बहुमुखी प्रतिभा और अनेक समुद्री अभियानों के लिए डिज़ाइन किया गया है। युद्धपोत का हथियार भंडार विश्व स्तरीय है। इसमें सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और एक विशेष पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रणाली हैं। ये प्रणालियाँ अत्याधुनिक युद्ध प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से निर्बाध रूप से एकीकृत हैं जिससे चालक दल पलक झपकते ही खतरों का जवाब दे सकता है। समुद्र में अग्रणी शिकारी होने के अलावा, तारागिरी आधुनिक कूटनीति और मानवीय संकटों की जटिलताओं के लिए भी उपयुक्त है।

बंद कमरे से मिली 5 लाशें, इलाज के लिए कोच्चि आया था पूरा परिवार

नई दिल्ली ,केरल के कोच्चि से दिल को झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। शहर के वडुथला इलाके में एक किराए के मकान में एक ही परिवार के पांच लोग मृत पाए गए हैं। मृतकों में दो महिलाएं और तीन मासूम बच्चे शामिल हैं। शुरुआती जांच में पुलिस इसे सामूहिक आत्महत्या का मामला मान रही है। अंदेशा जताया जा रहा है कि पहले परिवार के बड़ों ने बच्चों की जान ली, इसके बाद खुद भी मौत को गले लगा लिया। पुलिस के मुताबिक, मृतक परिवार मूल रूप से तिरुवनंतपुरम का रहने वाला था। परिवार पिछले कुछ महीनों से वडुथला में एक किराए के मकान में रह रहा था। बताया जा रहा है कि वे परिवार के किसी सदस्य का पास के ही एक निजी अस्पताल में इलाज कराने के सिलसिले में यहां आए थे। मृतकों की पहचान कनकलता और उनकी बेटी अश्वथी के रूप में हुई है। बाकी तीन मृतक अश्वथी के ही बच्चे थे सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस सूत्रों का कहना है कि शुरुआती हालात को देखते हुए यह हत्या और फिर आत्महत्या का मामला लग रहा है। आशंका है कि दोनों महिलाओं ने मिलकर पहले तीनों बच्चों की हत्या की और उसके बाद खुदकुशी कर ली।

आयुर्वेद का जलवा दुनिया भर में, भारत बना न्यूट्रा हब

नई दिल्ली , वैश्विक बाजार भू–राजनीतिक तनावों के कारण भारी उथल–पुथल का सामना कर रहे हैं। इस अस्थिरता के बीच भारत वैश्विक व्यापार के केंद्र में मजबूती से उभरा है। हाल ही में यूरोप के साथ हुआ अब तक का सबसे बड़ा व्यापारिक समझौता, जिसे मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स कहा जा रहा है, मुक्त व्यापार के नए रास्ते खोल रहा है। इसके साथ ही, अमेरिका–भारत के बीच हुए ऐतिहासिक व्यापार समझौते ने टैरिफ संबंधी बाधाओं को कम कर दिया है, जिससे अमेरिकी उत्पादों की भारत में पहुंच आसान होगी। हालांकि, 20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने कुछ टैरिफ को गैरकानूनी करार दिया, लेकिन यह स्पष्ट है कि मुक्त व्यापार का दौर करवट ले रहा है और दुनिया के कई देश अब भारत जैसे भरोसेमंद व्यापारिक साझेदार तलाश रहे हैं। पश्चिमी देशों के न्यूट्रास्यूटिकल्स (पोषण और स्वास्थ्य उत्पाद) बाजार के लिए भारत और चीन रीढ़ की तरह हैं, क्योंकि इन देशों में 80त्न से ज्यादा कच्चे माल की सप्लाई एशिया से ही होती है। जड़ी–बूटियों, मसालों और वनस्पतियों के अर्क इन सप्लीमेंट्स के अनिवार्य हिस्से हैं। सप्लाई चेन में आए हालिया उतार–चढ़ाव ने बाजार को काफी प्रभावित किया है। व्यापारिक पाबंदियों और भारी टैक्स से बचने के लिए अब कई एशियाई सप्लायर वियतनाम और श्रीलंका जैसे देशों में अपना विस्तार कर रहे हैं।

नदी में रेत खोद रहे थे मजदूर, तभी निकला 227 किलो का अमेरिकी बम

डिफ्यूज करने के लिए सेना की ली जा रही मदद

पूर्वी सिंहभूम , झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में उस वक्त भारी दहशत फैल गई, जब सुवर्णरेखा नदी के किनारे बालू और मिट्टी के नीचे दबा एक विशालकाय अमेरिकी बम बरामद हुआ। गैस सिलेंडर के आकार का यह 'अनएक्सप्लोडेड ऑर्डनेंसझ् (जिंदा बम) इतना खतरनाक है कि इसे देखकर मौके पर पहुंचे बम निरोधक दस्ते ने भी अपने हाथ खड़े कर दिए। बम पर स्पष्ट रूप से 'ह–रू64झ् मॉडल और 'मेड इन अमेरिकाझ् लिखा हुआ है। करीब 500 पाउंड (लगभग 227 किलोग्राम) वजनी इस विनाशकारी बम को लेकर जानकारों का मानना है कि यह द्वितीय विश्व युद्ध के दौर का हो सकता है। बम निरोधक दस्ते ने स्पष्ट कर दिया है कि इसे केवल सेना के विशेषज्ञ ही डिफ्यूज कर सकते हैं।

रेत के अंदर छिपा था मौत का सामान, इलाके को किया गया सील

यह खौफनाक बम तब सामने आया जब सुवर्णरेखा नदी के किनारे रेत के अवैध खनन के दौरान एक मजदूर का फावड़ा किसी भारी लोहे की चीज से टकराया। जब इसे बाहर निकालने के लिए आसपास की मिट्टी हटाई गई, तो विशाल सिलेंडरनुमा बम देखकर मजदूरों के पसीने छूट गए। लोगों का मानना है कि इस बार भारी बारिश के कारण तेज बहाव में यह बम बहकर यहां तक आ गया होगा। इस सनसनीखेज बरामदगी के बाद बहरागोड़ा थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा की अगुवाई में पुलिस और प्रशासन ने तुरंत मोर्चा संभाल लिया है।

पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से की बातचीत

नई दिल्ली ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बातचीत कर ईद और नौरोज़ की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि की कामना की। प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्र में महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर पर हो रहे हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि ऐसे हमले न सिर्फ क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा हैं, बल्कि वैश्विक सप्लाई चेन को भी प्रभावित करते हैं। उन्होंने समुद्री मार्गों की सुरक्षा पर विशेष जोर देते हुए कहा कि नेविगेशन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है, ताकि अंतरराष्ट्रीय शिपिंग लेन खुली और सुरक्षित बनी रहें। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने ईरान में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए ईरान सरकार द्वारा दिए जा रहे सहयोग की सराहना की।

ईरानी राष्ट्रपति ने दिया मुस्लिम देशों को पैगाम

आप हमारे भाई और पड़ोसी हैं, आपसे हमारा कोई विवाद नहीं

तेहरान ,पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईद के अवसर पर ईरान ने कूटनीतिक पहल करते हुए मुस्लिम देशों को एकजुटता का संदेश दिया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने सभी इस्लामी देशों और पड़ोसी राष्ट्रों के नाम एक भावनात्मक पत्र जारी कर भाईचारे और सहयोग की अपील की है।

राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने अपने संदेश में लिखा है, इस्लामी देशों और हमारे प्रिय पड़ोसियों के नामज्(यानी यह चिट्ठी इस्लामिक देशों और ईरान के पड़ोसियों के लिए लिखी जा रही है)। आप हमारे भाई हैं और हम आपसे किसी भी विवाद में नहीं हैं। हमारे मतभेदों से लाभान्वित होने वाला एकमात्र पक्ष ज़ायोनी इकाई (ज़ायोनी(यहूदी) राज्य) है। हम ईद–उल–फित्र के अवसर पर अल्लाह से दुआ करते हैं कि वह हमें अपनी ताकत और एकता प्रदान करे, ताकि हम रसूलुल्लाह (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) की शिक्षाओं पर अमल करके उनकी रज़ा हासिल कर सकें। पत्र में उन्होंने इस्लामी शिक्षाओं का हवाला देते हुए कहा कि आपसी सहयोग और भाईचारे के जरिए ही क्षेत्र में शांति स्थापित की जा सकती है। उन्होंने सभी देशों से अपील की कि वे मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझाएं और एक मजबूत इस्लामी एकता की दिशा में कदम बढ़ाएं।

जीवन के पन्ने पलटने प्रेरित करती जब खुली किताब

पंकज दुबे

पंकज कपूर का किरदार इस कहानी का भावनात्मक केंद्र है। उनका चरित्र एक ऐसे व्यक्ति का है, जो जीवन भर अपने भीतर बहुत कुछ दबा कर जीता रहा है। उसके व्यक्तित्व में एक गहरी चुप्पी है।.. डिंपल कपाड़िया का किरदार इस कहानी में स्मृतियों और भावनाओं की एक महत्वपूर्ण धुरी बनकर उभरता है। उनके और पंकज कपूर के बीच जो संवाद और मौन के क्षण हैं, वही इस फ़िल्म की आत्मा बन जाते हैं।

सिने–सोहबत

मौजूदा दौर में जब अधिकांश हिंदी फिल्में तेज़ रफ्तार मनोरंजन, एक्शन और सतही रोमांस के ईर्द–गिर्द घूमती दिखाई देती हैं, ऐसे में कुछ फ़िल्में ऐसी भी आती हैं, जो दर्शकों को ठहर कर सोचने पर मजबूर करती हैं। लेखक–निर्देशक सौरभ शुक्ला की फ़िल्म "जब खुली किताब" ऐसी ही एक संवेदनशील और आत्ममंथन कराने वाली फिल्म है। यह फ़िल्म किसी बड़े नाटकीय घटनाक्रम या बाहरी शोर–शराबे पर निर्भर नहीं करती, बल्कि मनुष्य के भीतर चलने वाले संवादों, रिश्तों के अनकहे दर्द और समय की परतों में दबे सच को धीरे–धीरे खोलती है, बिलकुल एक पुरानी किताब की तरह, जो वर्षों बाद खुलने पर अपनी महक और स्मृतियों से हमें भर देती है।

फ़िल्म का शीर्षक ही अपने आप में एक रूपक है, किताब, जो खुलने पर सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि जीवन के छिपे अध्याय सामने ले आती है। सौरभ शुक्ला ने इस विचार को बेहद सूक्ष्म और संवेदनशील तरीके से पर्दे पर उतारा है।

फ़िल्म की कहानी मूलतः कुछ ऐसे लोगों के ईर्द–गिर्द घूमती है, जिनके जीवन में कई अनकहे सच और अधूरे संवाद छिपे हुए हैं। उम्र के एक ऐसे पड़ाव पर पहुंचकर, जब इंसान पीछे मुड़ कर अपने जीवन को देखने लगता है, तब उन्हें अहसास होता है कि कई बातें कहे बिना रह गईं, कई रिश्ते समझे बिना ही टूट गए और कई फैसलों की वजहें कभी खुलकर सामने नहीं आईं।

पंकज कपूर का किरदार इस कहानी का भावनात्मक केंद्र है। उनका चरित्र एक ऐसे व्यक्ति का है, जो जीवन भर अपने भीतर बहुत कुछ दबा कर जीता रहा है। उसके व्यक्तित्व में एक गहरी चुप्पी है। एक ऐसी चुप्पी, जो केवल शब्दों की कमी नहीं, बल्कि भावनाओं का बोझ है। समय के साथ जब परिस्थितियां बदलती हैं और लोग आमने–सामने बैठ कर अपने जीवन के पन्ने पलटते हैं, तब यह चुप्पी धीरे–धीरे खुलने लगती है।डिंपल कपाड़िया का किरदार इस कहानी में स्मृतियों और भावनाओं की एक महत्वपूर्ण धुरी बनकर उभरता है। उनके चेहरे पर समय की परिपक्वता और जीवन के अनुभवों की झलक दिखाई देती है। उनके और पंकज कपूर के बीच जो संवाद और मौन के क्षण हैं, वही इस फ़िल्म की आत्मा बन जाते हैं।

फ़िल्म में अपारशक्ति खुराना और समीर सोनी जैसे कलाकार भी हैं, जो नई पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद की खाई को दर्शाते हैं। यह पीढ़ियों के बीच का वह अंतर है जहां एक तरफ अनुभवों की विरासत है और दूसरी तरफ बदलते समय की बेचैनी। सौरभ शुक्ला के निर्देशन में सादगी में गहराई साफ़ दिखती है। सौरभ हिंदी सिनेमा में एक ऐसे कलाकार हैं, जिनकी पहचान बहुआयामी है। वे अभिनेता भी हैं, लेखक भी और निर्देशक भी। 'जब खुली किताबइ में उनका लेखक और निर्देशक दोनों रूप बेहद परिपक्वदिखाई देता है। उन्होंने इस फ़िल्म को किसी बड़े सिनेमाई तमाशे की तरह नहीं रचा, बल्कि एक अंतरंग नाटक की तरह गढ़ा है। फ़िल्म का ट्रीटमेंट बेहद संयमित है। संवादों में शोर नहीं है, बल्कि एक गहरी संवेदना है। कई जगहों पर सौरभ शुक्ला संवादों की बजाय मौन का इस्तेमाल करते हैं और यही मौन दर्शक को पात्रों के मन के भीतर झांकने का मौका देता है। दरअसल, पहले 'जब खुली किताबइ एक नाटक के रूप में बनाया गया गया था, जिसमे मुख्य भूमिका में भी सौरभ ने ख़ुद ही काम किया था। यह फ़िल्म हमें याद दिलाती है कि सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन को समझने का भी एक जरिया हो सकता है। इस फ़िल्म की एक बड़ी ताकत इसके कलाकार हैं। पंकज कपूर हिंदी सिनेमा और रंगमंच के उन दुर्लभ अभिनेताओं में से हैं, जो चरित्र को जीवित कर देते हैं। इस फ़िल्म में उनका अभिनय अत्यंत सूक्ष्म और प्रभावशाली है। वे अपने चेहरे के भाव, आंखों की नमी और आवाज़ के उतार–चढ़ाव से एक ऐसे व्यक्ति की मनःस्थिति को दर्शाते हैं, जो वर्षों से अपने भीतर बहुत कुछ दबा कर जी रहा है। डिंपल कपाड़िया का अभिनय भी बेहद प्रभावशाली है। उन्होंने अपने किरदार में गरिमा और संवेदनशीलता का सुंदर संतुलन बनाया है। उनके संवादों में एक गहराई है और कई बार उनका मौन ही सबसे अधिक बोलता है। अपारशक्ति खुराना इस फ़िल्म में एक अलग रंग लेकर आते हैं। वे आज की पीढ़ी की बेचैनी, सवाल और व्यावहारिकता को बखूबी प्रस्तुत करते हैं। उनके अभिनय में सहजता है और वे फिल्म के भावनात्मक प्रवाह को संतुलित करते हैं। समीर सोनी भी अपने सीमित लेकिन महत्वपूर्ण किरदार में प्रभाव छोड़ते हैं। उनका अभिनय कहानी के कई भावनात्मक आयामों को उजागर करता है। फ़िल्म के संवाद में कसावट है। सौरभ शुक्ला ने संवादों को साहित्यिक होने के बावजूद बेहद स्वाभाविक रखा है। कई संवाद ऐसे हैं, जो सीधे दर्शकों के दिल तक पहुंचते हैं। उदाहरण के तौर पर फिल्म यह सवाल उठाती है कि क्या हम सच में अपने प्रियजनों को समझ पाते हैं, या हम केवल उनके बारे में अपनी धारणाएं बना कर जीते रहते हैं? फ़िल्म बार–बार यह अहसास कराती है कि जीवन में सबसे कठिन काम सच बोलना नहीं, बल्कि सच स्वीकार करना होता है। संगीत और बैकग्राउंड स्कोर कहानी के भावनात्मक स्वर को मजबूत करता है। संगीत कहीं भी कहानी पर हावी नहीं होता, बल्कि एक हल्की–सी धुन की तरह साथ चलता है। सिनेमैटोग्राफी भी बेहद सादगीपूर्ण लेकिन प्रभावी है।

नई विकास गाथा को ऊर्जा प्रदान कर रहा है भारत

वित्त वर्ष 2025–26 में ही (जनवरी 2026 तक), सभी स्त्रोतों से रिकॉर्ड 52.53 गीगावाट क्षमता जोड़ी गई है, जो एक ही वर्ष में जोड़ी गई अब तक की सर्वाधिक क्षमता है, जिसने 2024–25 में स्थापित 34.05 गीगावाट के पिछले सवोच्च स्तर को भी पार कर लिया है। कुल विद्युत उत्पादन वित्त वर्ष 2014 में 1,020.2 बीयू से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 1,830 बीयू हो गया है। प्रति व्यक्ति खपत 2014 में 957 किलोवाट–घंटे से बढ़कर 2025 में 1,460 किलोवाट–घंटा हो गई है, जो आर्थिक विकास और बेहतर पहुँच को दर्शाती है। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि हर घर, खेत और उद्योग के पास उसकी आवश्यकता के अनुसार विश्वसनीय विद्युत उपलब्धघ हो और भारत अब दुनिया में विद्युत का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता बन गया है। यद्यपि हम 520 गीगावाट से अधिक विद्युत उत्पादित करने में सक्षम हैं, लेकिन किसी भी प्रणाली की असली परीक्षा अधिकतम मांग या पीक लोड को बिना किसी तरह के संचालनात्मक दबाव के संभाल सकने की उसकी क्षमता होती है। साल 2024 की गर्मियों में अधिकतम मांग रिकॉर्ड 250 गीगावाट तक पहुँच गई थी और वित्त वर्ष 2025–26 में यह 242.49 गीगावाट रही। इससे पहले मांग में इस तरह की वृद्धि से ग्रिड पर दबाव पड़ सकता था, लेकिन हमारे लोड डिस्पैच केंद्रों ने लगभग शून्य ऊर्जा हानि के साथ इसे सफलतापूर्वक प्रबंधित किया।

मनोहर लाल

प्राचीन प्रार्थना तमसो मा ज्योतिर्गमय – अर्थात हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो – केवल आध्यात्मिक आकांक्षा भर नहीं, अपितु आधुनिक भारत की गाथा को भी दर्शाती है। बीते दशक में, कभी लगातार कमी से परिभाषित होने वाले विद्युत इकोसिस्टदम को दुनिया के सबसे तेज़ी से बढ़ते, सबसे वैविध्यिपूर्ण और सुधार–प्रेरित विद्युत बाज़ारों में से एक में परिवर्तित कर हमने इस आदर्श भावना को वास्तविकता में बदल दिया है। जैसे–जैसे भारत स्वयं को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र, उभरती हुई डिजिटल अर्थव्यवस्था और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में जिम्मेदार नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित कर रहा है, वैसे–वैसे विद्युत क्षेत्र हमारी राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता की आधारशिला बन गया है। पिछले दशक में, हमने उत्पादन और पारेषण क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिससे राष्ट्रीय ऊर्जा की कमी वित्त वर्ष 2013–14 में 4.2 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2025–26 तक मात्र 0.03 प्रतिशत रह गई है। केवल वित्त वर्ष 2025–26 में ही (जनवरी 2026 तक), सभी स्त्रोतों से रिकॉर्ड 52.53 गीगावाट क्षमता जोड़ी गई है, जो एक ही वर्ष में जोड़ी गई अब तक की सर्वाधिक क्षमता है, जिसने 2024–25 में स्थापित 34.05 गीगावाट के पिछले सवोच्च स्तर को भी पार कर लिया है। कुल विद्युत उत्पादन वित्त वर्ष 2014 में 1,020.2 बीयू से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 1,830 बीयू हो गया है। प्रति व्यक्ति खपत 2014 में 957 किलोवाट–घंटे से बढ़कर 2025 में 1,460 किलोवाट–घंटा हो गई है, जो आर्थिक विकास और बेहतर पहुँच को दर्शाती है। इससे यह सुनिश्चित हुआ है कि हर घर, खेत और उद्योग के पास उसकी आवश्यकता के अनुसार विश्वसनीय विद्युत उपलब्धघ हो और भारत अब दुनिया में विद्युत का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता बन गया है।

यद्यपि हम 520 गीगावाट से अधिक विद्युत उत्पानदित करने में सक्षम हैं, लेकिन किसी भी प्रणाली की असली परीक्षा अधिकतम मांग या पीक लोड को बिना किसी तरह के संचालनात्मक दबाव के संभाल सकने की उसकी क्षमता होती है। साल 2024 की गर्मियों में अधिकतम मांग रिकॉर्ड 250 गीगावाट तक पहुँच गई थी और वित्त वर्ष 2025–26 में यह 242.49 गीगावाट रही। इससे पहले मांग में इस तरह की वृद्धि से ग्रिड पर दबाव पड़ सकता था, लेकिन हमारे लोड डिस्पैच केंद्रों ने लगभग शून्य ऊर्जा हानि के साथ इसे सफलतापूर्वक प्रबंधित किया। यह मजबूती दुनिया के सबसे बड़े समकालिक ग्रिडों में से एक के कारण संभव हुई है, जिसमें 120 गीगावाट अंतर–क्षेत्रीय स्थानांतरण क्षमता है, जो देश को एक राष्ट्र–एक ग्रिड–एक फ्रीक्वेंसी में एकीकृत करती है। प्रेरणादायक बात केवल यह नहीं है कि हम कितनी विद्युत का उत्पाषदन करते हैं, बल्कि यह भी है कि हम उसे कैसे उत्पानदित करते हैं। गैर–जीवाश्म ईंधन पर आधारित क्षमता का अंश तेजी से बढ़ा है, जिसकी बदौलत भारत 50 प्रतिशत संचयी गैर–जीवाश्म ईंधन पर आधारित विद्युत क्षमता हासिल करने के अपने एनडीसी लक्ष्य को निर्धारित समय से लगभग पाँच वर्ष पहले ही हासिल करने में समर्थ हो सका है। यह स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन और जलवायु के प्रति हमारी संकल्पिबद्धता को दर्शाता है।

2014 से, मिशन मोड योजनाओं के माध्यम से विद्युत क्षेत्र को नए रूप में ढाला गया है, जिन्होंने पहुँच का विस्तार करते हुए सतत परिवर्तन को भी गति दी है। दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना ने भारत के हर गांव तक बिजली पहुँचायी, इसके बाद सौभाग्य योजना आई, जिसने लाखों घरों को बिजली से रोशन किया और ऊर्जा तक पहुँच को सभी के लिए वास्तविकता बना दिया। एक अन्य परिवर्तनकारी सुधार सितंबर 2025 में समान आईएसटीएस सबस्टेशनों पर सौर और गैर–सौर घंटों के लिए अलग–अलग कनेक्टिविटी की शुरुआत है। सौर परियोजनाओं को सौर घंटों के दौरान पहुँच मिलती है, जबकि भंडारण और पवन परियोजनाओं को गैर–सौर घंटों में पहुँच मिलती है। इससे बड़ी मात्रा में अप्रयुक्त पारेषण क्षमता का उपयोग संभव होता है, अतिरिक्त लाइनों की आवश्यकता के बिना नवीकरणीय और भंडारण परियोजनाओं के कमीशनिंग में तेजी आती है, पारेषण लागत घटती है और संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होता है। डिजिटल सशक्तिकरण हमारे आधुनिकीकरण की गाथा का महत्वपूर्ण अंश है। संशोधित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत 3.03 लाख करोड़ रुपये के खर्च के साथ हम पूरे देश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लागू कर रहे हैं, जिससे उपयोगिताओं और नागरिकों के बीच संबंधों में परिवर्तन आ रहा है। इस योजना के सकारात्मक परिणाम भी सामने आ चुके हैंः एटी एंड सी हानियां 2021 में 21.91 प्रतिशत से घटकर 2025 में 15.04 प्रतिशत हो गई हैं, और प्रति यूनिट आपूर्ति पर अंडर–रिकवरी 69 पैसे से घटकर 6 पैसे रह गई है। जैसे–जैसे हमारी डिजिटल अर्थव्यवस्था तेज़ी से बढ़ रही है, भविष्य की मांग का पूर्वानुमान लगाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि वर्तमान मांग का प्रबंधन करना। डेटा सेंटर की क्षमता 2030 तक 1.4 गीगावाट से बढ़कर 9 गीगावाट होने का अनुमान है, और केवल ये सुविधाएँ ही भारत की कुल विद्युत खपत के लगभग 3 प्रतिशत का उपयोग कर सकती हैं। हमारा अगला लक्ष्य एआई, अनुसंधान एवं विकास और अन्य प्रौद्योगिकी–संचालित इकोसिस्टम से उत्पन्न विद्युत की विशाल और लगातार बढ़ती मांग को निरंतर रूप से पूरा करना है। जैसे–जैसे नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार हो रहा है, ऊर्जा भंडारण अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। भारत तेजी से बढ़ती डिजिटल अवसंरचना को स्वच्छ ऊर्जा से संचालित करने के लिए पम्प्ड स्टोरेज परियोजनाओं और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों का बड़े पैमाने पर विकास कर रहा है। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन भारत को स्वच्छ ईंधनों के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है, ग्रिड स्थिरता और नवीकरणीय ऊर्जा की अधिक पैठ को बढ़ावा दे रहा है। हम परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में भी निर्णायक कदम उठा रहे हैं, जो कम कार्बन और विश्वसनीय पावर मिक्सप का एक आवश्यक हिस्सा है। 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु क्षमता का हमारा लक्ष्य और स्॥ अधिनियम, 2025, हमारी तकनीकी संप्रभुता को प्रमाणित करते हैं और निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए कानूनी व नीतिगत ढाँचा तैयार करते हैं। अब हमें जो चाहिए, और जिसे यह समिट उत्प्रेरित कर सकता है, वह है तकनीक, वित्त और आपूर्ति श्रृंखलाओं में वैश्विक साझेदारियाँ।विकसित भारत को ऊर्जा प्रदान करने, ग्लौबल साउथ में विद्युतीकरण को तेज करने और मजबूत, भविष्य–सक्षम ऊर्जा तंत्र बनाने के लिए, हमें महत्वाकांक्षा तक सीमित न रह कर, समन्वित कार्रवाई की दिशा में आगे बढ़ना होगा। यही वह समय है जब सरकारें, उद्योग जगत के दिग्ग्ज, नवप्रवर्तनकर्ता और वैश्विक साझेदार मिलकर एक ऐसी नई ऊर्जा संरचना का निर्माण करें–जो स्वच्छ, विश्वसनीय, डिजिटल रूप से एकीकृत और वैश्विक रूप से आपस में जुड़ी हुई हो। भारत को सीमा–पार विद्युत सहयोग का नेतृत्व करना चाहिए; अगली पीढ़ी के पारेषण, डिजिटल ग्रिड इंटेलिजेंस और ओएसओडब्ल्यूओजी –संरेखित बाजार तंत्र में साहसपूर्वक निवेश करना चाहिए; और डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए नवीकरणीय ऊर्जा, हाइड्रोपावर नवाचार, लचीले गैस संसाधनों और स्वच्छ ऊर्जा का त्वरित उपयोग करना चाहिए। इस गति को ट्रांसमिशन सिस्टम ऑपरेटर और डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम ऑपरेटर के बीच मजबूत समन्वय और 2047 तक के लिए एकीकृत पावर सेक्टर रोडमैप द्वारा और भी सुदृढ़ किया जाना चाहिए, जो भारत को मजबूत, टिकाऊ और किफायती विद्युतीकरण का वैश्विक मॉडल बनाए।

इस पृष्ठभूमि में, नई दिल्ली में आयोजित भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026 विशेष महत्व रखता है। यह ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हो रहा है जब राष्ट्र टिकाऊ, सुरक्षित और प्रौद्योगिकी–संचालित विद्युत तंत्र की दिशा में अपने संक्रमण को तेज कर रहा है। विकास को विद्युतीकृत करना, टिकाऊ भविष्य को मजबूत बनाना और दुनिया से जुड़ना (अर्थात इलेक्ट्रिफाइंग ग्रोथ, एम्पावरिंग सस्टेनेबिलिटी, कनेक्टिंग ग्लोबली) विषय के साथ, यह समिट विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर लाते हुए वैश्विक ऊर्जा संक्रमण में भारत की नेतृत्वकारी क्षमता को प्रदर्शित करेगा। यह बुनियादी ढाँचे के आधुनिकीकरण, नवीकरणीय क्षमता के विस्तार और ग्रिड विश्वसनीयता को मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करेगा। यह समिट सहयोग, नीतिगत संवाद और निवेश जुटाने के लिए राष्ट्रीय और वैश्विक दोनों स्तर पर एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करेगा। हमारा अनुमान है कि 2032 तक विद्युत उत्पादन में 345 बिलियन डॉलर और पारेषण एवं वितरण में 68 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश संभावित है, जबकि केवल ऊर्जा भंडारण में ही 35 बिलियन डॉलर से अधिक का अवसर मौजूद है। यह वास्तविक मांग पर आधारित है, क्योंकि भारत की कुल उत्पादन क्षमता पहले ही 520 गीगावाट से अधिक है और तेजी से बढ़ रही है, साथ ही ग्रिड के उत्सर्जन तीव्रता घट रही है।

विपक्ष कब करेगा आत्ममंथन? बिहार रास चुनाव में विपक्ष की करारी हार

सौरभ वार्ष्णेय

बिहार की राजनीति में हाल ही में हुए राज्सभा चुनाव ने कई राजनीतिक संकेत दिए हैं। इस चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल के नेता राजद के लिए परिणाम उम्मीद के अनुरूप नहीं रहे। सीटों के गणित और राजनीतिक समीकरणों के कारण जिस तरह का परिणाम सामने आया, उसने विपक्षी राजनीति में असहजता और भीतर की पीड़ा को उजागर कर दिया। जिसे लेकर तेजस्वी यादव का दर्द छलक पड़ा? क्या विधायक इनके विश्वास पर खरे नहीं उतरे या भाजपा की रणनीति समझ नहीं पाये। इस सवाल उठ रहे है कि विपक्ष अब आत्ममंथन कब करेगा? बिहार जैसे राज्यों में तो स्थिति इतनी उलझी कि विपक्षी खेमे के कुछ विधायक मतदान के समय अनुपस्थित रहे और पूरा समीकरण बदल गया। यह घटना केवल चुनावी हार नहीं है, बल्कि विपक्ष के भीतर मौजूद कमजोरियों का संकेत भी है। राज्यसभा जैसे चुनावों में गणित स्पष्ट होता है–यहां जीत का आधार संख्या और अनुशासन होता है। लेकिन जब अपने ही विधायक अनुपस्थित हों या क्रॉस–वोटिंग की आशंका पैदा हो जाए, तो यह संगठनात्मक ढीलापन और नेतृत्व की कमजोरी को उजागर करता है। ऐसे में 5 राज्यों के चुनावों मे इसका असर पड़ेगा। इसलिए अगर विपक्ष अब भी एकजुट नहीं हुआ तो एकजुट का मतलब अपने ही विधायकों का विश्वास जीतना। राज्यसभा चुनाव सामान्यतः विधानसभा की संख्या बल पर निर्भर होते हैं, लेकिन इस बार बिहार में क्रॉस–वोटिंग और राजनीतिक रणनीतियों ने परिणाम को अलग दिशा दे दी। सत्ता पक्ष की ओर से नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले गठबंधन ने अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत दिखाई, जबकि विपक्षी खेमे में अपेक्षित एकजुटता नजर नहीं आई। यही कारण है कि परिणाम आने के बाद तेजस्वी यादव के समर्थकों में निराशा और असंतोष साफ दिखाई दिया। ज्ञात रहे कि तेजस्वी यादव पिछले कुछ वर्षों से खुद को बिहार में विपक्ष की सबसे मजबूत आवाज के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। वे युवाओं, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को लगातार उठाते रहे हैं। लेकिन राज्यसभा चुनाव के इस परिणाम ने यह संकेत दिया है कि केवल जनसभाओं और राजनीतिक भाषणों से सत्ता के समीकरण नहीं बदलते; इसके लिए ठोस राजनीतिक प्रबंधन और सहयोगियों की मजबूत प्रतिबद्धता भी जरूरी होती है। इस चुनाव ने एक और सच्चाई उजागर की–बिहार की राजनीति में अभी भी संख्या बल और रणनीति का महत्व सबसे अधिक है। यदि विपक्ष अपने भीतर की कमजोरियों को दूर नहीं करता, तो सत्ताधारी गठबंधन को चुनौती देना आसान नहीं होगा। तेजस्वी यादव के लिए यह हार केवल एक सीट का नुकसान नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संदेश भी है। यह संदेश है कि विपक्ष को संगठित होने, विधायकों के बीच भरोसा मजबूत करने और राजनीतिक रणनीति को अधिक सटीक बनाने की जरूरत है।राज्यसभा चुनावों में लगभग 37 सीटों पर मुकाबला हुआ, जिनमें कई उम्मीदवार निर्विरोध भी चुने गए, जबकि कुछ राज्यों में सीधी टक्कर देखने को मिली।इन चुनावों ने यह साफ कर दिया कि सत्ता पक्ष जहां रणनीति और एकजुटता के साथ आगे बढ़ रहा है, वहीं विपक्ष कई जगहों पर बिखरा हुआ नजर आता है। लोकतंत्र में हार–जीत का सिलसिला चलता रहता है। लेकिन यह हार विपक्ष के लिए आत्ममंथन का अवसर भी बन सकती है। यदि तेजस्वी यादव इस अनुभव से सीख लेकर अपनी राजनीतिक रणनीति को मजबूत करते हैं, तो आने वाले समय में यह पराजय ही उनकी नई राजनीतिक ताकत का आधार बन सकती है। राज्यसभा चुनाव का परिणाम केवल सीटों की हार–जीत नहीं है; यह विपक्ष के सामने खड़ा आईना भी है। सवाल यही है–क्या विपक्ष इस आईने में खुद को देखने का साहस करेगा? यदि आत्ममंथन समय रहते नहीं हुआ, तो आने वाले चुनावों में भी यही कहानी दोहराई जा सकती है।

राजकुमार राव की फिल्म टोस्टर ओटीटी प्लेट-फॉर्म नेटफ्लिक्स पर अप्रैल में होगी स्ट्रीम?

राजकुमार राव ने अपने प्रोडक्शन कम्पा फिल्म्स के तहत बनी पहली फिल्म टोस्टर का ऐलान 2025 में किया था। उस वक्त फिल्म का पहला आधिकारिक टीजर जारी किया गया था जिसमें सान्या मल्होत्रा भी शामिल थीं। तब से फैंस राजकुमार और सान्या अभिनीत फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। हालिया अपडेट में बताया गया है कि यह डार्क–कॉमेडी फिल्म अपनी डिजिटल स्ट्रीमिंग को लेकर कमर कस चुकी है। इसका प्रीमियर ओटीटी प्लेट-फॉर्म नेटफ्लिक्स पर किया जाएगा।

ओटीटी प्ले की रिपोर्ट के मुताबिक, नेटफ्लिक्स के कमिंग सून सेक्शन में जारी किए गए नए प्रीव्यू के अनुसार, टोस्टर का प्रीमियर अप्रैल, 2026 में किया जा सकता है। फिल्म का निर्देशन विवेक दास चौधरी ने किया है, जबकि पटकथा रवेज शेख, अनघ मुखर्जी और अक्षत घिल्डियाल ने मिलकर लिखी है। टोस्टर एक डार्क कॉमेडी और गंभीर अपराध वाली फिल्म है जो एक रद्द हुई शादी की रस्म के बाद शादी के तोहफे की अराजक खोज को उजागर करती है।

टोस्टर की कहानी कंजूस रमाकांत (राजकुमार) के इर्द–गिर्द घूमती है जिसे शादी में एक महंगा टोस्टर तोहफे में मिलता है। वहीं सान्या ने उसकी पत्नी शिल्पा का किरदार निभाया है। टीजर के मुताबिक, शादी में टोस्टर मिलने के बाद, अगले ही दिन उसकी शादी रद्द हो जाती है।

थ्रिलर जैसे जॉनर में काम करना आसान नहीं होता : स्नेहलता वसईकर

गुड़ी पड़वा का त्योहार महाराष्ट्र में धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्योहार नए साल के स्वागत का प्रतीक है और नई उम्मीदें लेकर आता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई इस दिन की खुशियों का हिस्सा बनता है। इस कड़ी में अभिनेत्री स्नेहलता वसईकर ने गुड़ी पड़वा के महत्व और अपने निजी अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह त्योहार उनके दिल के बहुत करीब है। बचपन में सुबह जल्दी उठकर गुड़ी लगाने की परंपरा, पारिवारिक मिलन और त्योहार की तैयारियां उनकी सबसे प्यारी यादें हैं। स्नेहलता ने कहा, गुड़ी पड़वा मुझे नए साल की नई उम्मीदें देता है। इस साल मेरे लिए गुड़ी पड़वा और भी खास है, क्योंकि यह पेशेवर रूप से मेरे लिए एक नया चरण लेकर आया है। मैं जल्द ही थ्रिलर शो वशीकरणम में मुख्य किरदार सुमन के रूप में नजर आने वाली हूं। यह किरदार मेरे लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों है। स्नेहलता ने कहा, गुड़ी पड़वा की तरह हर नई शुरुआत जीवन में सकारात्मक बदलाव और नए अवसर लेकर आती है। इस उत्सव का संदेश सिर्फ खुशियों का नहीं, बल्कि आशा और नए अनुभवों को अपनाने का भी है।

हर्षित राणा आईपीएल 2026 के पूरे टूर्नामेंट से बाहर

कोलकाता, तेज गेंदबाज हर्षित राणा टी20 विश्व कप से पहले अभ्यास मैच के दौरान लगी चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं जो कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए बड़ा झटका है.

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के टी20 विश्व कप अभ्यास मैच के दौरान इस तेज गेंदबाज के दाहिने घुटने के लिगामेंट में खिंचाव आ गया था. इसके बाद फरवरी में उनकी सर्जरी हुई और उन्हें लंबे समय तक रिहैबिलिटेशन के लिए जाना पड़ा.

केकेआर के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने कहा, "यह बड़ा झटका है क्योंकि हर्षित राणा पिछले कुछ सत्र से टीम के अभिन्न अंग रहे हैं. इनमें वह सत्र भी शामिल है जिसमें टीम चैंपियन बनी थी. पिछले एक साल में उन्होंने एक क्रिकेटर के रूप में काफी तरक्की की है.इ़

उन्होंने कहा, "हमें हर्षित राणा की कमी खलेगी. उनकी जगह भरना आसान नहीं है. लेकिन पिछले कुछ दिनों में हमने कई गेंदबाजों को परखा है कि कौन इस भूमिका में फिट बैठता है और कौन अपनी पूरी क्षमता से यह काम कर सकता है. उम्मीद है कि हम कुछ दिनों में फैसला ले लेंगे.श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना की चोट ने भी नए सत्र से पहले केकेआर की रणनीति को गड़बड़ा दिया है. श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने बाद में एक विज्ञप्ति में कहा, "मथीशा पथिराना ने आईपीएल 2026 में भाग लेने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) देने का आग्रह किया है लेकिन अभी तक उनका फिटनेस परीक्षण नहीं हुआ है. वह रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजर रहे हैं और इसके बाद ही उनका फिटनेस परीक्षण किया जाएगा.इ़

नवदीप सैनी, आकाश मधवाल, सिमरजीत सिंह, संदीप वारियर और केएम आसिफ कुछ ऐसे तेज गेंदबाज हैं जिन्हें इस सप्ताह ईडन गार्डन्स में अभ्यास करते हुए देखा गया.

आईपीएल 28 मार्च से शुरू हो रहा है और केकेआर अपना पहला मैच 29 मार्च को मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलेगा. इसके बाद वह दो अप्रैल को अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करेगा.

केकेआर के मुख्य स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी अच्छी फॉर्म में नहीं चल रहे हैं लेकिन टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे का मानना है कि टी20 विश्व कप के बाद मिला ब्रेक इस स्पिनर के लिए मददगार साबित होगा.

मैं अपनी शर्तों पर जीती हूं, सिंगल रहना मेरी पसंद : दिव्या दत्ता

अभिनेत्री दिव्या दत्ता पर्दे पर जितने दमदार तरीके से हर एक किरदार को पेश करती हैं, वास्तविक जिंदगी में भी अपनी बेबाकी और सच्चाई से भरी बातों के लिए जानी जाती हैं। इसी कड़ी में दिव्या समाज की पुरानी और पितृसत्तात्मक सोच पर खुलकर बात करती नजर आईं। दिव्या ने सिंगल रहने, शादी और मातृत्व को लेकर समाज की अपेक्षाओं पर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि किसी भी इंसान की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोला जा सकता और हर किसी की कहानी अलग–अलग होती है। दिव्या से जब पूछा गया कि आज के समय में सिंगल रहना कितना मुश्किल है और क्या समाज अब भी मानता है कि कोई महिला शादी या बच्चे होने से ही पूरी होती है, तो उन्होंने अपनी राय रखते हुए बताया, चाहे मेरे पास पार्टनर हो या मैं सिंगल हूं, मैं अपनी जिंदगी का मजा लेती हूं और यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। मुझे लगता है कि हर इंसान की कहानी अलग होती है। यह आम राय बनाना कि पार्टनर होना अच्छा है या सिंगल रहना अच्छा है, यह किसी के लिए भी सही नहीं। जो आपके लिए सही काम करता है, वही सबसे बढ़िया है। मेरे लिए यह सही है और मैं इससे खुश हूं।

उन्होंने आगे कहा, मेरा स्पष्ट मानना है कि लोगों को दूसरों की जिंदगी के फैसलों पर राय नहीं बनानी चाहिए। अगर किसी को अच्छा पार्टनर मिल गया, तो उनके लिए सही है। अगर नहीं मिला, तो उन्हें जो सही लगे, वही करना चाहिए।

भारतीय महिला टीम दिसंबर में दक्षिण अफीका में एक टेस्ट और तीन वनडे मैच खेलेगी

जोहानिसबर्ग,क्रिकेट दक्षिण अफीका (सीएसए) ने घोषणा की कि भारतीय महिला टीम इस साल के आखिर में दक्षिण अफीका के दौरे में एक टेस्ट और तीन वनडे मैच की श्रृंखला खेलेगी.

सीएसए ने कहा कि टेस्ट मैच 20 से 23 दिसंबर तक गकेबरहा में खेला जाएगा. वनडे मैच नौ से 15 दिसंबर तक पोटचेफस्ट्रूम, ब्लोमफोंटेन और केपटाउन में खेले जाएंगे.सीएसए ने बयान में कहा, "दक्षिण अफीका की टीम नौ से 15 दिसंबर तक आईसीसी महिला चैम्पियनशिप (आईडब्ल्यूसी) की तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में भारत का सामना करेगी. श्रृंखला का पहला मैच पोटचेफस्ट्रूम के जेबी मार्क्स ओवल में खेला जाएगा, जबकि दूसरा और तीसरा मैच ब्लोमफोंटेन के मंगाउंग ओवल और न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड में होगा. बयान के अनुसार, "भारतीय टीम के इस दौरे में 20 से 23 दिसंबर तक गकेबरहा के सेंट जॉर्ज पार्क में खेला जाने वाला एक टेस्ट मैच भी शामिल होगा।

एशिया ट्रैक चैंपियनशिप के लिए झारखंड के तीन साइकिलिस्ट का चयन

रांची, झारखंड के खेल जगत के लिए गर्व की खबर है. राज्य के तीन प्रतिभाशाली साइकिलिंग खिलाड़ियों का चयन भारतीय टीम में आगामी एशिया ट्रैक साइकिलिंग चैंपियनशिप के लिए किया गया है. यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 26 मार्च से 31 मार्च 2026 तक फिलीपींस में आयोजित होगी, जिसमें एशिया के विभिन्न देशों के शीर्ष खिलाड़ी भाग लेंगे. चयनित खिलाड़ियों में सरिता कुमारी, निकिता सोरेन और विकास उरांव शामिल हैं. ये तीनों खिलाड़ी झारखंड साइकिलिंग के उभरते हुए सितारे माने जाते हैं और इन्होंने राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए हैं.इनकी उपलब्धियां न केवल व्यक्तिगत मेहनत का परिणाम हैं, बल्कि राज्य में साइकिलिंग खेल के बढ़ते स्तर को भी दर्शाती हैं. खिलाड़ियों ने अपने निरंतर अभ्यास, अनुशासन और समर्पण के दम पर यह मुकाम हासिल किया है. खेल विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन्हें आगे भी बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और आवश्यक संसाधन मिलते रहे, तो ये खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं.

इन खिलाड़ियों के चयन से झारखंड को साइकिलिंग के क्षेत्र में नई पहचान मिली है. इसके साथ ही यह राज्य के अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बना है, जो खेल के माध्यम से अपने भविष्य को संवारना चाहते हैं. झारखंड में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत है उन्हें सही मार्गदर्शन और अवसर प्रदान करने की.

एशिया ट्रैक चैंपियनशिप जैसे बड़े मंच पर चयन होना राज्य के खेल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है. इससे यह भी स्पष्ट होता है कि झारखंड के खिलाड़ी अब राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं.

एक नजर

महिलाओं को साइबर अपराध के प्रति किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : डिजिटल साक्षरता मिशन के तहत युवा कल्याण विभाग की ओर से महिलाओं को डिजिटल साक्षरता का प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान लोगों को साइबर अपराध से बचाव के प्रति भी जागरूक किया गया। आईटीडीए कैल्क कंप्यूटर संस्थान में दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक डा. नंदकिशोर जखमोला ने कहा कि वर्तमान में दुगड्डा, जयहरीखाल, द्वारीखाल, रिखणीखाल, नैनीडांडा, थलीसैंण, एकेश्वर, बीरोंखाल सहित अन्य ब्लाकों में यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य लोगों को कंप्यूटर शिक्षा से जोड़ना है। इसके तहत साइबर अपराध से बचाव की भी जानकारी दी जा रही है।

नवोदय विद्यालय के लिए दो छात्रों का चयन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पाबौ ब्लॉक के राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय पोखरीखेत की छात्रा ईशानी और पौड़ी ब्लॉक के राजकीय प्राथमिक विद्यालय पैडुल के छात्र आर्यन नेगी का चयन कक्षा छह के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए हुआ है।राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय पोखरीखेत, पाबौ की ईशानी का चयन नवोदय के साथ ही हिमज्योति विद्यालय देहरादून के लिए भी हुआ है। प्रधानाध्यापक कमलेश बलूनी ने छात्रा को बधाई दी। वहीं राजकीय प्राथमिक विद्यालय पैडुल, पौड़ी के आर्यन नेगी का चयन भी नवोदय के लिए हुआ है। प्रधानाध्यापिका मीना ममगाईं के अनुसार आर्यन नेगी ने नवोदय परीक्षा उत्तीर्ण कर विद्यालय का मान बढ़ाया है। इसमें सहायक अध्यापक बलदेव सिंह व अभिभावकों का विशेष सहयोग रहा।

पैदल मार्ग कई जगहों पर क्षतिग्रस्त

चमोली : नगर क्षेत्र के समीप भोटिया पड़ाव सिरोखोमा गांव को जोड़ने वाला पैदल मार्ग कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त पड़ा है। मार्ग की खराब स्थिति के कारण लोगों की आवाजाही जोखिम भरी हो गई है। खासकर बुजुर्गों और बच्चों के लिए यह समस्या और गंभीर बन गई है। ग्राम प्रधान अनीता देवी, प्रशांत डिमरी, सोनल नेगी और दौलत सिंह महिपाल ने बताया कि गांव के पास बनी पैदल पुलिया भी जीर्णशीर्ण हो चुकी है जिससे गुजरते समय हादसे का डर बना रहता है। मार्ग पर रोशन की व्यवस्था नहीं है जिससे रात में भी आवाजाही में मुश्किल रहती है। कहा कि इस संबंध में कई बार जिला पंचायत को अवगत कराया जा चुका है लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने जल्द से जल्द मार्ग और पुलिया की मरम्मत कराने की मांग उठाई। इधर जिला पंचायत के अपर मुख्य अधिकारी तेज सिंह का कहना है कि जिन स्थानों पर पैदल रास्ते क्षतिग्रस्त हैं वहां आपदा मद में सुधारीकरण कार्य किए जाएंगे। सिरोखोमा पैदल रास्ते की मरम्मत के लिए इस्टीमेट तैयार किया जाएगा। (एजेंसी)

ई-केवीआईसी के लिए लगाया शिविर

चमोली : एलपीजी सिलिंडर भरवाने में हो रही ई-केवाईसी की समस्या को देखते हुए जनप्रतिनिधि उपभोक्ताओं के सहयोग के लिए आगे आए हैं। जन-प्रतिनिधियों की ओर से नगर क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर काउंटर लगाकर लोगों की ई-केवाईसी करवाई जा रही है। कुछ दिनों से रसोई गैस की किल्लत के कारण कई लोग परेशान हैं। विगत दिनों एजेंसियों के रसोई गैस के सिलिंडरों के ट्रक पहुंचने से जहां कुछ लोगों को राहत मिली है वहीं अधिकांश उपभोक्ता दिनभर लाइन में खड़े रहने के बावजूद ई-केवाईसी नहीं होने के कारण सिलिंडर नहीं ले पाए। ऐसे में उपभोक्ता सिमली और नारायणबगड़ गैस एजेंसियों के चक्कर काटने के लिए मजबूर हैं। उपभोक्ताओं की इस समस्या को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष संदीप नेगी सभासद विनीत रावत, चैतन्य बिष्ट और वंदना राणा तथा सामाजिक कार्यकर्ता बीरेंद्र राणा के सहयोग से नगर क्षेत्र में अलग-अलग काउंटर लगाकर अब तक भारत गैस के 104 उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी पूरी कराई गई है। (एजेंसी)

गुलदार की धमक से दहशत में ग्रामीण

चमोली : ब्लॉक के ग्राम पंचायत डिम्मर के विद्यापीठ आवासीय बस्ती में शुक्रवार रात को गुलदार की धमक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल व्याप्त है। ग्राम प्रधान विनीता डिमरी ने बताया कि आवासीय बस्ती के मध्य में स्थित मिलन केंद्र में शुक्रवार रात को लगभग 10 बजे गुलदार के दहाड़ने की आवाज सुनकर ग्रामीण डर गए। उन्होंने वन विभाग से ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए आवासीय बस्ती में वन कर्मियों की गश्त लगाने की मांग की।

अव्यवस्थाओं का अंबार, जाम हो रही व्यवस्थाएं

देवी रोड में जगह-जगह खड़ी रेहड़ी ठेली बन रही मुसीबत,अव्यवस्था के कारण आमजन का पैदल चलना भी मुश्किल

कोटद्वार के देवी रोड में सड़क पर खड़े भारी वाहन व रेहड़ी ठेल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शहर में अव्यवस्थाओं का अंबार लगातार बढ़ता जा रहा है। कुछ माह पूर्व गोखले मार्ग व बाजार की मुख्य सड़कों पर कब्जा करने वाले रेहड़ी-ठेली वाले अब देवी रोड तक पहुंच गए हैं। हालत यह है कि सड़क किनारे खड़ी रेहड़ी-ठेली के कारण आमजन का सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। हर समय दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। सबसे बुरी स्थिति मोटर नगर में बनी हुई है।

कुछ माह पूर्व नगर निगम व प्रशासन ने गोखले मार्ग को अतिक्रमण मुक्त करवाया था। रेहड़ी-ठेली वालों को मार्ग पर कब्जा न करने की सख्त हिदायत दी गई थी। ऐसे में यहां से हटाए गए रेहड़ी-ठेली वालों ने देवी रोड में कब्जा करना प्रारंभ कर दिया है। नजीबाबाद चौराहे से देवी मंदिर चौराहे तक सैकड़ों रेहड़ी-ठेली वाले सड़क पर खड़े आसानी से देखे जा सकते हैं। सबसे बुरी स्थिति मोटर नगर में बनी हुई है। यहां रेहड़ी-ठेली वालों के साथ ही भारी वाहन भी बेतरतरीब तरीके से सड़क किनारे खड़े रहते हैं। सुबह से शाम तक सड़क पर जाम की स्थिति बनी रहती है। चौंकाने वाली बात तो यह है कि इस मार्ग से दिन से तीन से चार बार गुजरने वाले अधिकारियों को भी स्थिति नजर नहीं आती। जबकि, क्षेत्रवासी कई बार व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की भी मांग उठा चुके हैं।

सड़क पर दुकानें

देवी रोड में रेहड़ी-ठेली वालों के साथ ही कई व्यापारियों ने सड़क पर ही अपनी दुकान का सामान सजाया हुआ है। यही नहीं कई स्थानों पर वाहन मरम्मत का काम भी सड़क पर ही चल रहा है। बाजार में अतिक्रमण अभियान चलाने वाले नगर निगम को भी देवी रोड का अतिक्रमण नजर नहीं आता।

अतिक्रमण के कारण कब बड़ा हादसा हो जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता।

पूर्व सैनिक व सैनिक परिवारों के हितों के लिए होगा काम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पूर्व सैनिक संघर्ष समिति ने नवनियुक्त जिला सैनिक बोर्ड अधिकारी ग्रुप कैप्टन एसपी सती से मुलाकात की।

समिति के अध्यक्ष महेंद्र सिंह रावत के नेतृत्व में पूर्व सैनिकों ने नवनियुक्त जिला सैनिक बोर्ड अधिकारी ग्रुप कैप्टन एसपी सती से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने पूर्व सैनिकों के हितों को लेकर कार्य करने की बात कही। कहा कि वह पूर्व सैनिक संघर्ष समिति के साथ मिलकर पूर्व सैनिक व सैनिक परिवारों के हितों को लेकर योजनाएं तैयार करेंगे। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर पूर्व सैनिक व सैनिक परिवार जिला सैनिक बोर्ड कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर महेंद्र सिंह, अनुसूया प्रसाद सेमवाल, गोपाल सिंह नेगी, ठाकुर सिंह गुसाईं, जीत सिंह भंडारी, सुदर्शन सिंह, डीएस रावत, दौलत सिंह आदि मौजूद रहे।

नवनियुक्त जिला सैनिक बोर्ड अधिकारी ग्रुप कैप्टन एसपी सती से मुलाकात करते पूर्व सैनिक

अनुशासन और निरंतर अभ्यास से मिलेगी सफलता

जयन्त प्रतिनिधि।

लैंसडौन : भक्त दर्शन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के एनएसएस के विशेष शिविर के तीसरे दिन समसामयिक विषयों पर चर्चा की गई। इस मौके पर रसायन विभाग प्रभारी प्रो. एस.पी. मधवाल ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने और तर्कसंगत सोच विकसित करने पर बल दिया। डॉ. डी.एस. चौहान ने अनुशासन और निरंतर अभ्यास को सफलता की कुंजी बताया। डॉ. अभिषेक कुकरेती ने युवाओं को अपने अतीत से सीख लेकर भविष्य निर्माण करने की प्रेरणा दी। वहीं हिंदी विभाग प्रभारी डॉ. उमेश ध्यानी ने भाषा और अभिव्यक्ति कौशल को व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण आधार बताया

इस दौरान सोशल मीडिया की उपयोगिता, जनप्रतिनिधि के रूप में युवाओं की भूमिका तथा स्वयं सेवकों की भविष्य की योजनाओं जैसे महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा की गई। स्वयं सेवकों ने अपने विचार खुलकर व्यक्त किए और समूह चर्चा के माध्यम से नई दृष्टि विकसित की। सत्र को और अधिक रोचक बनाने के लिए प्रतिभागियों ने अपनी स्वलिखित कविताओं की प्रस्तुति दी। वक्ताओं ने स्वयं सेवकों को केवल शैक्षणिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक रूप से भी सशक्त बनने का संदेश दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि युवा सोशल मीडिया का उपयोग केवल मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि जागरूकता फैलाने और सकारात्मक बदलाव लाने के लिए करें। साथ ही, नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल और सामूहिक कार्यशैली को विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया।

दुष्कर्म के मामले में युवक दोषमुक्त

जयन्त प्रतिनिधि

कोटद्वार : लैंसडौन कोतवाली क्षेत्र में जून 2024 को दुष्कर्म के एक मामले में आरोपित युवक को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने दोषमुक्त करार दिया है।

बताते चलें कि क्षेत्र में मजदूरी करने वाली नेपाली मूल की एक युवती ने दो जून 2024 को कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत आमपड़ाव निवासी सलमान उर्फ शमसी पर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए लैंसडौन कोतवाली में तहरीर दी। तहरीर में कहा गया कि एक जून की शाम करीब सात बजे सलमान ने उसके घर में आकर दुष्कर्म किया। पुलिस ने सलमान के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए 18 जून को उसे गिरफ्तार कर दिया।

22 नवंबर 2024 को सलमान को जमानत मिली। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से सात गवाह पेश किए गए। जिरह के दौरान इस बात की पुष्टि हुई कि सलमान ने कोई दुष्कर्म नहीं किया। जिसके बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रीना नेगी की अदालत ने उसे दोषमुक्त करार दिया।

मार्ग निर्माण के लिए जारी रहा धरना

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग को एलिवेटेड बनाने के लिए लोगों का धरना जारी है। लोगों ने सरकार से मार्ग पर व्यवसायिक वाहनों की आवाजाही को खुलवाने के साथ ही एलिवेटेड बनाने की मांग उठाई। कहा कि क्षेत्र के बेहतर विकास के लिए मार्ग निर्माण होना अति आवश्यक है। शनिवार को लोगों ने चिल्लरखाल वन चौकी के समीप धरना दिया। कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए लालढांग-चिल्लरखाल मार्ग निर्माण जरूरी है। लोगों ने कहा कि वह पिछले कई माह से मार्ग को एलिवेटेड बनाने के लिए धरना दे रहे हैं। 12 फरवरी को न्यायालय ने मार्ग निर्माण को हरी झंडी दिखाई। लेकिन, मार्ग किसी तरह बनेगा, यह स्थिति साफ नहीं हो पाई है। ऐसे में स्थानीय लोग केवल मार्ग को एलिवेटेड ही बनवाना चाहते हैं। बताया कि मार्ग पर व्यवसायिक वाहनों का भी संचालन होता रहे। इसके लिए स्थानीय प्रशासन व प्रदेश सरकार को गंभीरता से कार्य करना होगा। मार्ग के बेहतर निर्माण से ही क्षेत्र का विकास होगा। साथ ही कण्वाश्रम को भी विश्व पटल पर पहचान मिलेगी। इस मौके पर मुन्नी देवी, शांति देवी, पूजा देवी आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार में चिलरखाल चैक पोस्ट के समीप सड़क निर्माण की मांग को लेकर धरना देते क्षेत्रीय जन

इबादत में झुके हजारों सिर, मांगी अमन चैन की दुआ

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में ईद-उल-फितर का त्योहार शनिवार को धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह से ही ईदगाहों व मस्जिदों में नमाजियों की भीड़ उमड़ी रही। नमाजियों ने मुल्क व कौम की तरक्की के लिए दुआएं मांगी।

शनिवार को सुबह से ही ग्रास्टनगंज स्थित ईदगाह में नमाजियों की भीड़ उमड़ी हुई थी। नमाज अता करने के लिए सैकड़ों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग पहुंचे हुए थे। मौलाना बदरूल हसन ने नमाजियों को ईद की नमाज अदा करवाई। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि इस्लाम प्रेम व सौहार्द की सीख देता है। हमें समाज में रहने वाले हर व्यक्ति की मदद के लिए आगे आना चाहिए। समाज में किसी भी तरह का सौहार्द न बिगड़े इसका भी हमें ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने समुदाय के लोगों से अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा देने की भी अपील की। कहा कि बच्चों को मिली बेहतर शिक्षा ही बेहतर समाज का निर्माण करती है। इसके उपरांत लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाते हुए ईद की बधाईयां दी।

कोटद्वार के ईदगाह में नमाज अता करते नमाजी

तीन जवान महाकुंभ सेवा मेडल से सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : प्रयागराज महाकुंभ में सराहनीय सेवाएं देने वाले जनपद पुलिस के तीन जवानों को सम्मानित किया गया। एसएसपी पौड़ी ने तीनों कार्मिकों को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया।

वर्ष 2025 में आयोजित महाकुंभ मेले के दौरान मुख्य आरक्षी (दूरसंचार) सचिन कुमार, मुख्य आरक्षी (दूरसंचार) नितिन कुमार और अग्निशमन विभाग के पुष्पेंद्र तोमर ने कर्तव्यनिष्ठा, सतर्कता और अनुशासन का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। उनकी इस सराहनीय सेवा के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने उन्हें महाकुंभ सेवा मेडल प्रदान किया गया। उपलब्धि पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने तीनों कार्मिकों को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया।

चिकित्साधिकारी का मांगा स्पष्टीकरण, मुख्यालय किया तलब

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सीएमओ ने जिले के दूरस्थ स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कहीं स्वास्थ्य केंद्र में ताला लटका मिला तो कहीं सीएचओ और एएनएम अनुपस्थित मिले। इस पर सीएमओ ने बड़ेथ स्वास्थ्य केंद्र के सीएचओ और एएनएम का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। सीएमओ ने कोटद्वार के सिटी हॉस्पिटल का भी औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल बंद मिला। इस पर उन्होंने संबंधित चिकित्साधिकारी का स्पष्टीकरण मांगा और उन्हें मुख्यालय तलब किया।

सीएमओ डॉ. शिव मोहन शुक्ला ने दूरस्थ स्वास्थ्य केंद्र चैलूसैंण, कांडाखाल व पौखाल का निरीक्षण किया। उन्होंने पौखाल में चिकित्सक नहीं होने पर कांडाखाल अस्पताल के चिकित्सक को तीन-तीन दिन के रोस्टर के आधार पर दोनों अस्पतालों की जिम्मेदारी सौंपी। वहीं द्वारीखाल के बड़ैथ के निरीक्षण के दौरान सीएचओ (कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर) और एएनएम अनुपस्थित मिले। सीएमओ डॉ. शुक्ला ने बताया कि इस मामले में दोनों कर्मचारियों का वेतन रोका जाएगा, जबकि कांडाखाल अस्पताल में चिकित्साधिकारी व सीएचओ की कार्यप्रणाली असंतोषजनक मिलीं। लालपानी अस्पताल का निरीक्षण कर सीएमओ ने सफाई व्यवस्था पर असंतोष जताया। साथ ही अस्पताल की चहारदीवारी निर्माण व तारबाड़ करने के निर्देश दिए।

गुलदार ने गोशाला में घुसकर सात मवेशियों को मारा

रुद्रप्रयाग : जनपद के त्रियुगीनारायण में शुक्रवार रात गोशाला में घुसकर गुलदार ने सात मवेशियों को मार डाला। इनमें तीन दुधारु गाय, दो बैल और दो बछड़े शामिल हैं। ग्रामीणों ने बताया कि नीलकंठ अवस्थी और जयंती देवी की गोशाला में गुलदार ने घुसकर मवेशियों को मार डाला। ग्राम प्रधान रुचि गैरोला, क्षेत्र पंचायत सदस्य सुमन तिवारी और व्यापार मंडल अध्यक्ष महेंद्र सेमवाल ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से गुलदार की गतिविधि देखीं जा रही थीं, लेकिन वन विभाग की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने क्षेत्र में पिंजरा लगाने, गश्त बढ़ाने और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की। लोगों ने वन कर्मियों के सामने अपना गुस्सा जाहिर कर गुलदार को पकड़ने और गांव में सुरक्षा देने की बात कही। वहीं रेंज अधिकारी विमल भट्ट ने कहा कि टीम मौके पर है और स्थिति का मुआयना किया जा रहा है। पीड़ितों को हरसंभव मदद दी जाएगी। वहीं इलाके में निगरानी रखी जा रही है। (एजेंसी)

दो बकरियों को मारा

आदिबदरी : नैनीताल हाईवे के बकरियां बैंड में शुक्रवार रात को गुलदार ने बकरियों के झुंड पर हमला कर दो बकरियों को मार डाला। चरवाहों ने किसी तरह गुलदार को वहां से भगाया। पशुपालक सुरेंद्र ने बताया कि आधी रात्रि को गुलदार आया और दो बकरियों को मार डाला। उन्होंने शासन-प्रशासन से मुआवजा देने की मांग की।

उत्तराखण्ड ने जीता योगासन चैंपियनशिप में कांस्य

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : 17 से 21 मार्च तक चंडीगढ़ में आयोजित अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज योगासन चैंपियनशिप में उत्तराखंड की टीम ने कांस्य पदक जीता। प्रतियोगिता के विभिन्न वर्गों में खिलाड़ियों ने पारंपरिक, आर्टिस्टिक एवं रिदमिक स्पर्धाओं में प्रतिभाग कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पुरूष वर्ग में हिमांशु शर्मा, जितेंद्र प्रसाद धस्माना, हयात सिंह नेगी, राकेश कंडवाल, सुनील कुमार एवं कृष्णपाल सिंह ने प्रतिभाग किया। वहीं महिला वर्ग में रीना बागड़ी, कविता परिहार, मंजू कंडपाल, विमला बिष्ट, नीलम पुरी बिष्ट, किरण खड़ायत, नीलम नेगी एवं सोनी रौतेला ने उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता में उत्तराखंड की खिलाड़ी नीलम पुरी बिष्ट एवं किरण खड़ायत ने कांस्य पदक जीता। टीम मैनेजर राकेश कंडवाल एवं टीम कोच हिमांशु शर्मा ने बताया कि बीते साल भी उत्तराखंड की टीम ने मेडल जीते थे।

विकास कुमार आर्य बनें समिति के संयोजक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : संविधान निर्माता, बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर जयंती संयुक्त समारोह समिति का गठन किया गया। जिसमें विकास कुमार आर्य को संयोजक पद की जिम्मेदारी दी गई। शनिवार को सिम्मलचौड़ स्थित कर्मवीर जयानंद भारतीय स्मृति पुस्तकालय में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में भारत रत्न बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर जयंती संयक्त समारोह समिति का गठन किया गया। जिसमें विकास कुमार आर्य को संयोजक, शिवम भूषण शाह, मनोज शाह को सहसंयोजक, केशीराम निराला को कोषाध्यक्ष, अनुज चौधरी को सह कोषाध्यक्ष व प्रमोद चौधरी, मनवर लाल भारती को प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी गई। इस मौके पर डा. सुरेंद्र लाल आर्य, ब्रिजेंद्र आर्य, जगदीश राठी, प्रमोद चौधरी, सूरवीर खेतवाल, शिव कुमार, भारत भूषण शाह, ओमप्रकाश कोटला, सोहन लाल, विक्रम चंद शाह, चंद्रपाल शाह, अनिल कुमार, संजीव मोहन, सतीश प्रकाश, आशीष प्रकाश, सच्चिदानंद आर्य, तेजपाल सिंह, मेवा लाल गौड, आशीष खेतवाल, संजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

आयोजित बैठक में भाग लेते समिति के सदस्य

जंगल लकड़ी काटने गई महिला पर भालू का हमला, गंभीर घायल

उत्तरकाशी। जौलंगी के नकोट (सुल्याधार) गांव से लकड़ी काटने जंगल गई एक महिला पर भालू ने हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। साथ में गई महिलाओं के शोर मचाने पर भालू भाग गया जिससे महिला की जान बच गई। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने 108 सेवा से घायल को जिला अस्पताल बौराड़ी पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए उन्हें एम्स रेफर किया गया है। दहशत में आए ग्रामीणों ने वन विभाग से भालू को पकड़ने की मांग की है। थौलधार ब्लॉक में जौलंगी क्षेत्र के ग्राम नकोट(सुल्याधार) की लक्ष्मी देवी (26) पत्नी बबलू, शनिवार को दोपहर में गांव की दो अन्य महिलाओं के साथ गांव से करीब आधा–पौन किमी दूर बगदरी खाला के जंगल में लकड़ी काटने गई थी। लकड़ी काटने के कुछ देर बाद ही झाड़ियों में छिपे भालू ने अचानक लक्ष्मी देवी पर हमला कर दिया। महिला के चिल्लाने पर साथ में गई महिलाओं ने शोर मचाया। भालू ने हमले में महिला के चेहरे, सिर और आंख पर गंभीर चोटें आई हैं। भयभीत महिलाओं ने किसी तरह गांव सूचना भेजी। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने गंभीर रूप से घायल महिला को आपातकाल 108 सेवा से जिला अस्पताल बौराड़ी पहुंचाया। अस्पताल के सीएमएस डॉ. अमित राय ने बताया कि महिला के चेहरे और सिर पर काफी गहरे घाव हैं। महिला की आंख भी काफी जख्म हैं। प्राथमिक उपचार देने के बाद उसे एम्स रेफर किया गया है। गांव के मदन सकलानी ने बताया कि क्षेत्र में दहशत का माहौल है। आस–पास गांव के लोग घास और लकड़ी के लिए सी जंगल पर निर्भर है। भालू की दहशत से शीघ्र निजात नहीं दिलाई जाती है, तो लोगों को कई परेशानियों से गुजरना पड़ेगा।

नकोट (सुल्याधार) गांव के जंगल में एक महिला पर भालू के हमले की सूचना के बाद वन विभाग की टीम को मौके पर भेजा गया है। इस घटना के बाद भालू वहीं आस–पास जंगल में दिखाई देता है, तो उच्चाधिकारियों की अनुमति के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। – जन्मेजय रमोला, उप प्रभागीय वनाधिकारी टिहरी ।

समारोह से गायब हार पांच दिन बाद आंगन में मिला

चमोली : घर में हुए समारोह के दौरान अचानक गायब हुआ सोने का हार पांच दिन बाद शनिवार को आंगन में पड़ा मिला। पुलिस की सख्ती से हार चोरी करने वाले व्यक्ति ने उसे वहां फेंक दिया। शुक्रवार को सरोड़ा निवासी देवी लाल ने फोन पर शिकायत दर्ज कराई। कहा कि 15 मार्च को उनकी पोती का अन्नप्राशन था। पुत्रवधू ने जेवर पहने थे। भोज के बाद हार और मंगलसूत्र आलमारी में रख दिया। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद आलमारी से हार गायब मिला। उन्होंने सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने तुरंत परिवार को पोखरी थाने में बुलाया और आसपास के सभी सुनार की दुकानों के सीसीटीवी खंगाले मगर कुछ नहीं मिला।

यमुनोत्री हेलिपैड के सेफ्टी ऑडिट की तैयारी, हेली सेवा पर फिर जगी उम्मीद

उत्तरकाशी। जिला प्रशासन की ओर से यमुनोत्री धाम में गरुड़गंगा के समीप बने हेलिपैड के सेफ्टी ऑडिट के लिए उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण को पत्र लिखा गया है। नागर विमानन महानिदेशालय की ओर से धाम के हेलिपैड में हेली सेवा शुरू करने की अनुमति नहीं दी गई थी। इस पर यमुनोत्री मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने शासन–प्रशासन से इस पर एक बार फिर विचार करने की मांग की थी। उसके बाद प्रशासन की ओर से यह कार्रवाई की गई है। करीब डेढ़ वर्ष यमुनोत्री धाम में गरुणगंगा के समीप 60 लाख की लागत से हेलिपैड का निर्माण किया गया। उसके बाद बीते वर्ष अप्रैल में सीएम के हेलीकॉप्टर ने वहां पर लैंडिग और टेकऑफ का अभ्यास किया। साथ ही सेना के हेलिकॉप्टर ने भी वहां पर रेकी की थी। इससे लोगों को उम्मीद जगी कि गत वर्ष की चारधाम यात्रा में वहां पर हेली सेवा शुरू हो जाएगी लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। इस बीच यूकाडा की ओर से भेजे गए प्रस्ताव पर नागर विमानन महानिदेशालय की ओर से सुरक्षा और अन्य कारणों से वहां पर हेली सेवा शुरू करने की अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद यमुनोत्री मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने शासन–प्रशासन से आपदा और यात्रियों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को देखते हुए वहां पर हेली सेवा को शुरू करने की मांग की। क्योंकि यमुनोत्री धाम पहुंचने के लिए पांच किमी की खड़ी पैदल चढ़ाई को पार करना पड़ता है। जिलाधिकारी की ओर से यूकाडा को यमुनोत्री हेलिपैड के सेफ्टी ऑडिट करवाने के लिए पत्र लिखा गया है। दूसरी ओर गंगोत्री धाम में भी इस वर्ष हेलिपैड का प्रयोग नहीं हो पाएगा क्योंकि वहां पर अभी संचालन के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय केंद्र सरकार की अनुमति नहीं मिल पाई है।

संक्षिप्त समाचार

झाला के समीप पहाड़ी पर हिमनद के रूप में आया एवलांच

उत्तरकाशी, दो दिन की बर्फबारी के बाद हर्षिल घाटी में खिली धूप से बर्फ की सफेद चादर ओढ़े बेहद खुबसूरत लग रहा है। इस बीच झाला के समीप पहाड़ी पर एवलांच खिसकने की घटना भी देखने को मिली। हालांकि यह एवलांच सड़क तक नहीं पहुंच पाया लेकिन पहाड़ी में यह एवलांच भी हिमनद की तरह बहता हुआ दिखा। शनिवार को जनपद के गंगोत्री यमुनोत्री सहित हर्षिल, गोमुख आदि क्षेत्रों में अच्छी बर्फबारी देखने को मिली।

दो दिन की बर्फबारी को देखते हुए मौसम विभाग की ओर से समुद्रतल से तीन हजार मीटर की ऊंचाई पर एवलांच आने की चेतावनी भी दी गई थी। शनिवार को हर्षिल घाटी में चटख धूप खिलने के बाद बर्फ की सफेद चादर ओढ़े पूरा क्षेत्र बहुत ही खुबसूरत दिख रहा है। स्थानीय निवासी अखिल पंत ने बताया कि शनिवार दोपहर को झाला के समीप पहाड़ी पर एवलांच आता दिखाई दिया। हालांकि यह एवलांच सड़क तक नहीं पहुंचा, यह पहाड़ियों के बीच में ही समाप्त हो गया। पंत ने कहा कि यह भी हिमनद के रूप में बहकर आया।

मानस दशांश हवन पद्धति पुस्तक का किया विमोचन

उत्तरकाशी। चैत्र नवरात्री में चंद्रघंटा के तृतीय दिवस पर मानस दशांश हवन पद्धति पुस्तक का विमोचन किया गया। इस पुस्तक का संकलन डॉ. महेश उनियाल की ओर से किया गया है। शनिवार को हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश चौहान और चारधाम विकास परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सूरत राम नौटियाल ने किया। उन्होंने लेखक डॉ. महेश उनियाल के मानस दशांश हवन पद्धति पुस्तक का विमोचन करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। वहीं, लेखक डॉ. महेश उनियाल ने बताया कि पुस्तक का उद्देश्य सनातन धर्म का प्रचार और प्रसार है।

इस मौके पर केदारनाथ घाट मंदिर के रघुवर दास महाराज, डॉ. बद्री प्रसाद सेमवाल, प्रकाशचंद्र नौटियाल, प्रेम बल्लभ सेमवाल, राजेश सेमवाल, राकेश उनियाल, सतीश चंद्र सेमवाल, कुलानंद सेमवाल, आसाराम उनियाल, रमेश नौटियाल, सुभाष चंद नौटियाल, डॉ. माधव प्रसाद, धनेश उनियाल, वीरेंद्र नौटियाल आदि मौजूद रहे।

सुदाड़ा गांव के लोगों ने लिया नशा बहिष्कार का निर्णय

नई टिहरी। ग्राम पंचायत सुदाड़ा की बैठक में नशे का बहिष्कार करने का निर्णय लिया गया। ग्राम पंचायत में होने वाले शादी–विवाह, नामकरण, चूड़ाकर्म, जन्मदिन, सेवानिवृत्त पार्टियों में अब कॉकटेल पार्टी का आयोजन न करने का प्रस्ताव पारित किया गया। नशे पर निगरानी के लिए ग्राम सुधार समिति का गठन किया गया। जिसमें अरविंद सिंह अध्यक्ष और खेमराज बिजल्वाण को सचिव की जिम्मेदारी दी गई। ग्राम प्रधान बिजेंद्र सकलानी की अध्यक्षता में पंचायत की खुली बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्रामीणों ने एक स्वर में गांव को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। विवाह समारोह में डीजे रात 11 बजे के बाद नहीं बजने दिया जाएगा। गांव में शराब लाने या बेचने वाले से 21 हजार रूपये अर्थदंड वसूल किया जाएगा।

शराब नहीं संस्कार मुहिम के संयोजक सुशील बहुगुणा ने कहा कि सुडाड़ा ग्राम पंचायत का यह निर्णय अन्य गांवों के लिए भी प्रेरणा बनेगा। ग्राम सुधार समिति में सरिता सकलानी उपाध्यक्ष, सुशीला देवी सह सचिव, दिनेश प्रसाद को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

बांध प्रभावित निशुल्क बिजली–पानी देने की मांग पर अड़े

उत्तरकाशी। निशुल्क बिजली और पानी देने की मांग के समर्थन में टिहरी बांध विस्थापित व प्रभावित शनिवार को 21 वें दिन भी धरने पर डटे रहे। आंदोलनरत लोगों ने एक सूत्री मांग पर कार्रवाई न होने तक धरना जारी रखने की चेतावनी दी। कहा यदि जल्द ही इस मामले ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो प्रभावित गांवों में भी आंदोलन शुरू किया जाएगा। बौराड़ी के गणेश चौक में बांध प्रभावितों को हनुमत राव कमेटी की सिफारिशों के तहत निशुल्क बिजली व पानी की मांग को लेकर सागर भंडारी के नेतृत्व में स्थानीय लोग धरना कार्यक्रम आयोजित करते आ रहे हैं। धरने पर पूर्व छात्रसंघ कोषाध्यक्ष रविराज, अजय पंवार, देवांक चमोली, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष आशा रावत, अशर्फी देवी, पूर्व पालिकाध्यक्ष सीमा कृषाली, हंसी देवी, दीपा देवी, सरोजनी देवी आदि बैठी रही।

प्रकृति सर्वोपरि है और मानव अस्तित्व हेतु उसके साथ सह–अस्तित्व में रहना अनिवार्य : भूपेंद्र यादव

देहरादून। शनिवार को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद – वन अनुसंधान संस्थान देहरादून में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस 2026 के अवसर पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस ह्वन और अर्थव्यवस्थाएँह्व विषय के तहत मनाया जा रहा है। जो आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देने और आजीविका को सहारा देने में वनों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है।

इस अवसर पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सहयोग से, 21–22 मार्च, 2026 को कउाफए, देहरादून में वन–आधारित सतत जैव–अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देनाः मुद्दे और चुनौतियाँह्व विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। भूपेंद्र यादव ने अपने संबोधन में इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रकृति सर्वोपरि है और मानव अस्तित्व के लिए उसके साथ सह–अस्तित्व में रहना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि वन संरक्षण का अर्थ केवल पेड़ लगाना ही नहीं है, बल्कि इसमें पूरे पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण भी शामिल है। उन्होंने वानिकी के प्रति समग्र दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय का आह्वान किया, और वन संसाधनों को बनाए रखने में सांस्कृतिक मूल्यों, ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम (जीसीपी), और कार्बन क्रेडिट के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने अपने संबोधन का समापन इस बात के साथ किया कि वन केवल अर्थव्यवस्था के लिए ही नहीं, बल्कि शांति के लिए भी आवश्यक हैं। इस अवसर पर पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सचिव तन्मय कुमार; वनों के महानिदेशक एवं विशेष सचिव सुशील कुमार अवस्थी; आईसीएफआरई की महानिदेशक कंचन देवी; और वनों के अतिरिक्त महानिदेशक (वन्यजीव) रमेश कुमार पांडे भी उपस्थित रहे। वर्कशॉप में वन–आधारित जैव–उत्पाद और उनका व्यावसायीकरण, सतत वन प्रबंधन, नीतिगत ढाँचे, उद्यमिता, और जैव–अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में नवाचार की भूमिका जैसे मुख्य विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

होटल–ढाबों में घरेलू गैस उपयोग की जांच पड़ताल की

नई टिहरी। खाद्य पूर्ति और राजस्व विभाग की गठित क्यूआरटी टीम ने धनोल्टी और आसपास के क्षेत्रों में होटल, रेस्टोरेंट व ढाबों का निरीक्षण कर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में गैस सिलिंडरों के उपयोग की जांच की। निरीक्षण के दौरान अधिकांश प्रतिष्ठानों में कॉमर्शियल सिलिंडरों का उपयोग होता मिला। टीम ने होटल संचालकों को व्यावसायिक गतिविधियों में किसी भी स्थिति में घरेलू गैस सिलिंडर का उपयोग न करने को कहा।

चेतावनी दी यदि किसी प्रतिष्ठान में घरेलू सिलिंडर का उपयोग पाया जाता है तो संबंधित धाराओं के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। ओम भारत गैस मसूरी की ओर से क्षेत्र के उपभोक्ताओं को निर्धारित प्रक्रिया के तहत घरेलू गैस सिलिंडर उपलब्ध कराए जाने की जानकारी भी दी गई। निरीक्षण टीम में क्षेत्रीय खाद्य पूर्ति अधिकारी विवेक शाह, पूर्ति निरीक्षक अंजलि पंवार, प्रदीप पंत, राजस्व उप निरीक्षक अंबुज चतुर्वेदी, दिलीप कुमार व संदीप कुमार मौजूद रहे।

वन निगम के सभी डिपो से मोबाइल एप के जरिये खरीद सकेंगे लकड़ी

देहरादून। उत्तराखंड वन विकास निगम के सभी डिपो से मोबाइल एप के जरिये भी लोग लकड़ी खरीद सकेंगे। प्रमुख सचिव वन आरके सुधांशु की अध्यक्षता में सचिवालय में हुई निगम के प्रबंध मंडल की बैठक में निगम की स्थापना की रजत जयंती पर एक अप्रैल से लकड़ी की फुटकर बिक्री के लिए मोबाइल एप शुरू करने और डिपो प्रबंधन में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (अक) का उपयोग करने समेत कई नई पहल प्रारंभ करने के प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई। इस अवसर पर निगम के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी और तदर्थ बोनस भुगतान के साथ ही स्थानांतरण नियम लागू करने समेत विभिन्न प्रस्तावों पर भी अनुमोदन दिया गया। निगम प्रबंध मंडल की बैठक में आफ सीजन उपखनिज की उपलब्धता के लिए शहरी क्षेत्रों के नजदीक भंडारण की व्यवस्था करने, वृक्षों की आयतन सारणी का अद्यतन स्वरूप तैयार करने, वन पंचायतों के माध्यम से जड़ी–बूटी संग्रहण कर विपणन करने, कृषि वानिकी को प्रोत्साहित करने के दृष्टिगत गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री तैयार कर किसानों को उपलब्ध कराने के प्रस्तावों पर सहमति जताई गई। इसके साथ ही निगम के कार्यों का विस्तारीकरण करते हुए ईको टूरिज्म और पौधारोपण के कार्य आवंटित किए जाने पर भी सहमति दी गई। इस अवसर पर कार्मिकों के हित में भी कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में निगम के कार्मिकों के लिए उत्तराखंड सरकारी सेवक पदोन्नति के अर्हकारी सेवा में शिथिलीकरण नियमावली 2025 लागू करने के प्रस्ताव पर सहमति जताते हुए इसे शासन को संदर्भित करने का निर्णय लिया गया। इसी तरह वर्षों से दैनिक रूप से कार्यरत कार्मिकों के विनियमितीकरण से संबंधित प्रस्ताव भी शासन को भेजने का निर्णय लिया गया। सातवां वेतनमान प्राप्त कर रहे निगम कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते की दर में पिछले वर्ष एक जनवरी व एक जुलाई को हुई वृद्धि दर पर भुगतान के प्रस्ताव को बैठक में अनुमोदित कर दिया गया।

मल्टीलेबल कार पार्किंग के निर्माण स्थल पर सड़क का पुस्ता धंसा

उत्तरकाशी। नगर पंचायत के वार्ड नंबर दो पुरोला रोड पर बन रही मल्टीलेबल कार पार्किंग के निर्माण स्थल पर सड़क का पुस्ता गया। इस दौरान वहां मौजूद मजदूरों ने भाग कर जान बचाई। पुस्ता धंसने से नगर क्षेत्र को जोड़ने वाली ग्यारह हजार केवी की विद्युत लाइन का पोल तिरछा हो गया और ढहने की स्थिति में पहुंच गया। सूचना के बाद विद्युत कर्मियों की ओर से नगर क्षेत्र के एक हिस्से की विद्युत आपूर्ति बंद कर दी गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कार्यदायी संस्था की लापरवाही और सुस्त गति सब पर भारी पड़ रही है। दोपहर करीब 12 बजे निर्माण स्थल से लगे पुरोला मोटर मार्ग का पुस्ता भरभरा कर गिर गया। नीचे की तरफ निर्माण कार्य में लगे मजदूरों ने भाग कर जान बचाई। इससे पूर्व भी निर्माण कार्य की वजह से मोटर मार्ग का एक बहुत बड़ा हिस्सा धंस गया था। सड़क संकरी होने से स्थानीय प्रशासन ने कुछ दिनों के लिए लोडर वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी थी। पत्थरों के जाल भरने के बाद ही वाहनों की आवाजाही सुचारु हो पाई थी। अब उसी स्थान से लगी दूसरी जगह का पुस्ता ढह गया और नीचे कार्य कर रहे मजदूर मिट्टी के नीचे दबने से बच गए। मजदूरों ने भाग कर जान बचाई। वहीं, नगर पंचायत अध्यक्ष विजय कुमार का कहना है कि यह घटना कार्यदायी संस्था की लापरवाही का परिणाम है। यदि विद्युत पोल कगर जाता तो बड़ा नुकसान हो सकता था। इससे पहले भी पुस्ता ढहने की घटना हो चुकि है। कार्यदायी संस्था को निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए नोटिस भेजा जाएगा।

वर्चुअल लैब कार्यशाला में छात्रों ने सीखी डिजिटल प्रयोग की विधि

नई टिहरी। टीएचडीसी हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज भागीरथीपुरम में आईआईटी रुड़की की पहल पर दो दिवसीय वर्चुअल लैब कार्यशाला का आयोजन किया गया। छात्र–छात्राओं को वर्चुअल लैब से प्रयोगात्मक शिक्षा से जोड़ना और डिजिटल उपकरणों के उपयोग में दक्ष बनाने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक प्रो. शरद कुमार प्रधान ने किया। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा के बदलते दौर में डिजिटल नवाचारों को अपनाना आवश्यक है। वर्चुअल लैब से छात्र सीमित संसाधनों के बावजूद गुणवत्तापूर्ण प्रयोगात्मक ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं जो उनके भविष्य के लिए उपयोगी साबित होगा। आईआईटी रुड़की के आकाश सैनी, स्वाति चौहान, नेहा व हनी चौधरी ने कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को वर्चुअल लैब्स की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि वर्चुअल लैब्स के जरिए छात्र ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न प्रयोगों को समझ सकते हैं। बार–बार अभ्यास कर अपनी विषयगत समझ को मजबूत बना सकते हैं।

कुलपति प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन राष्ट्रीय डेंटल कमीशन के शीर्ष बोर्ड में नियुक्त

देहरादून। देश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव के रूप में गठित राष्ट्रीय डेंटल कमीशन में रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन को डेंटल असेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड में होल पूर्ण कालिक सदस्य के रूप में नियुक्त किया जाना न केवल उनके व्यक्तिगत उत्कृष्टता का प्रतीक है। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब भारत सरकार डेंटल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को वैश्विक मानकों के अनुरूप, पारदर्शी और गुणवत्ता–आधारित बनाने की दिशा में निर्णायक कदम उठा रही है, और इस परिवर्तन के केंद्र में अब डॉ. ऐरन जैसे अनुभवी, दूरदर्शी और सिद्ध नेतृत्वकर्ता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस ऐतिहासिक जिम्मेदारी पर प्रेस से बातचीत करते हुए प्रो. डॉ. हिमांशु ऐरन ने कहा कि ह्वयह केवल एक पद नहीं, बल्कि देश के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी है। मेरी प्राथमिकता होगी कि डेंटल स्वास्थ्य सेवाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाए। हम ऐसी व्यवस्था विकसित करेंगे, जिसमें हर नागरिक को सुलभ, किफायती और उच्च स्तरीय डेंटल केयर मिल सके ह्व उन्होंने विश्वास जताया कि नई व्यवस्था के माध्यम से भारत डेंटल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर नई पहचान स्थापित करेगा। डॉ. ऐरन की यह उपलब्धि उनके तीन दशक से अधिक के अनुभव, प्रशासनिक दक्षता और शिक्षा एवं शोध के प्रति समर्पण का परिणाम है। हालांकि इससे पूर्व भी उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिल चुके हैं जिनमें प्रोस्थोडोंटिक्स ऑफ़ द ईयर 2013, 2015, आउटस्टैंडिंग अकादमिशियन अवार्ड 2014 , आईसीडी अवार्ड 2014, 2015, उत्तराखंड के राज्यपाल द्वारा हिमरत्न अवार्ड तथा भारत के उपराष्ट्रपति द्वारा प्रोजेक्ट आरोग्य के लिए मिले सम्मान प्रमुख हैं।

खाड़ी घटनाक्रम पर भारत का रुख संतुलित : गंगवार

रुद्रपुर। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने ग्राम बरा में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी प्रसाद गंगवार के फार्म हाउस पर स्थापित लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण किया। पर उन्होंने कहा कि वर्तमान में खाड़ी देशों के घटनाक्रम को लेकर भारत ने संतुलित व्यवहार और विचार प्रस्तुत किया है। शनिवार को आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि गंगवार ने कहा कि सरदार पटेल ने अदम्य साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति और अद्वितीय दूरदर्शिता के बल पर स्वतंत्र भारत को एकता के सूत्र में पिरोया। उन्होंने 500 से अधिक रियासतों का विलय कर देश की अखंडता को मजबूत किया, जो विश्व इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की भूमि त्याग, तपस्या और राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत–प्रोत रही है। यहां स्थापित सरदार पटेल की प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगी। हमें जाति, संप्रदाय, भाषा और क्षेत्रीय भेदभाव से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना चाहिए। गंगवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ह्वएक भारत, श्रेष्ठ भारतह्व के संकल्प को साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं, जो सरदार पटेल के आदर्शों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी प्रसाद गंगवार ने मुख्य अतिथि संतोष गंगवार को स्मृति चिह्न देकर सभी अतिथियों का आभार जताया। समारोह में यूपी कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय गंगवार, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रेनू गंगवार, सुरेश गंगवार सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

वित्त वर्ष के आखिरी महीने में बिजली चोरी पर कार्रवाई तेज

देहरादून। ऊर्जा निगम के एमडी बदलते ही बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज हो गई। एक ही दिन में ऊर्जा निगम ने बिजली चोरी के सात केस दर्ज कराए हैं। त्यूनी विद्युत उप संस्थान के अवर अभियंता राज किशोर की जांच में त्यूनी क्षेत्र के चौरी गांव में प्रताप सिंह, रूप दास, राजेंद्र, ज्ञान सिंह और प्यूनल निवासी कलम सिंह व हुकुम सिंह के यहां बिजली चोरी पकड़ी। पटेलनगर के ब्राह्मणवाला में शर्मा कॉलोनी निवासी मोहम्मद जीशान के यहां निरंजनपुर उपखंड के अवर अभियंता मुस्तकीम अली ने बिजली चोरी पकड़ी। आरोपी कनेक्शन लेकर मीटर से बिजली उपयोग करने के बजाए सीधे सप्लाई लाइन में कटिया डालकर बिजली जला रहे थे। आरोपियों के खिलाफ संबंधित थानों में विद्युत अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है।

सौंग बांध से आंशिक प्रभावितों को आवासीय भूखंड जल्द दे प्रशासन

नई टिहरी। सौंग बांध परियोजना से आंशिक रूप से प्रभावित ग्रामीणों ने प्रभावित परिवार को आवासीय भूखंड देने और ग्वाली डांडा चक और सोंगणा के प्रभावितों को विस्थापन की श्रेणी में रखने की मांग की है। उन्होंने डीएम को दिए ज्ञापन में कहा कि उनकी मांग जल्द पूरी न होने पर उन्हें आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा। ग्रामीणों ने कहा कि बांध से कई परिवार आंशिक रूप से प्रभावित हो रहे हैं। इससे उनके भवन, दुकान और पशुपालन व्यवसाय प्रभावित हुए हैं। दिसंबर 2024 को गढ़वाल आयुक्त की अध्यक्षता में हुई समन्वय समिति की बैठक में निर्णय लिया गया कि बांध परियोजना से आंशिक रूप से प्रभावितों को प्रति परिवार 200 वर्गमीटर आवासीय भूखंड दिया जाएगा। इसके सापेक्ष डीएम ने 16 जून 2025 को सचिव सिंचाई के अनुमोदन के लिए पत्र भेजा था लेकिन अभी तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम ग्वाली डांडा चक सोंगणा के चार बांध प्रभावित परिवारों की 0.128 हेक्टेयर भूमि सड़क के लिए पीएमजीएसवाई के नाम कर दी गई थी। सड़क निर्माण के लिए ली गई जमीन को भी सौंग बांध परियोजना के लिए अर्जित की गई जमीन में शामिल किया जाना चाहिए जिससे उन्हें पूर्ण विस्थापन का दर्जा मिल सके। सौंग बांध प्रभावित एवं विस्थापित विकास समिति के अध्यक्ष रविंद्र सिंह ने बताया कि 15 मार्च 2026 को ग्राम रगड़गांव में आयोजित बैठक में यह प्रस्ताव पारित किया गया था, कि प्रभावित परिवारों को शीघ्र ही 200 वर्ग मीटर आवासीय भूखंड, आर्थिक मदद, प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को स्थायी रोजगार देने और भूमि संबंधी प्रकरण का समाधान शीघ्र करने का आश्वासन दिया गया था लेकिन अभी तक उस पर कोई प्रगति नजर नहीं आ रही है।

विशेषज्ञों ने पहाड़ों में हुई बारिश को फसलों के लिए संजीवनी बताया

नई टिहरी। पर्वतीय क्षेत्र में इन दिनों हो रही बारिश किसानों और पर्यावरण के लिए राहत लेकर आई है। पिछले तीन–चार दिनों से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हल्की बारिश का दौर जारी रहा जबकि बीते शुक्रवार को दिनभर झमाझम बारिश हुई।

इस बारिश को गेहूं, सरसो, जौ, मसूर, मटर की फसलों और फलदार पेड़ों के लिए काफी लाभदायक माना जा रहा है। टिहरी जिले में करीब 12 हजार हेक्टेयर भूमि पर गेहूं की खेती की जाती है। इसके अलावा सरसों, जौ, मसूर और मटर की फसल भी बड़े पैमाने पर उगाई जाती है। पर्वतीय क्षेत्रों में चंबा–मसूरी फल पट्टी, प्रतापनगर क्षेत्र में सेब, नाशपाती और आडू का उत्पादन किया जाता है। अब तक हुई बारिश से उक्त फसलों को किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है बल्कि यह फसलों के विकास के लिए सहायक साबित हो रही है। मुख्य कृषि अधिकारी विजय देवराड़ी ने बताया कि प्रारंभिक सर्वे के अनुसार बारिश से जिले में गेहूं और सरसों की फसलों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। उन्होंने बताया कि अभी गेहूं की बाली पूरी तरह तैयार नहीं हुई है। ऐसे में यह बारिश फसलों के विकास को बढ़ाने में मददगार होगी। पर्वतीय क्षेत्रों में आमतौर पर अप्रैल के अंत तक गेहूं की फसल तैयार होती है। पर्यावरणविद् और प्रगतिशील किसान विजय जड़धारी का कहना है कि यह बारिश फसलों और फलदार पेड़ों के लिए अत्यंत उपयोगी है। साथ ही यह जंगलों में लगने वाली आग की घटनाओं को रोकने में सहायक होगी। जिन क्षेत्रों में जल स्त्रोत कमजोर हो रहे थे वहां भी यह बारिश रिचार्ज का काम कर रही है। उन्होंने बताया कि आने वाले आठ से 10 दिनों तक जंगलों में नमी बनी रहेगी जिससे वनाग्नि की आशंका कम होगी। जल स्त्रोतों का जलस्तर भी स्थिर रहेगा।

सकारात्मक सोच और जागरूकता से ही संभव है मानसिक स्वास्थ्य सुधार

देहरादून। सकारात्मक सोच और जागरूकता से ही मानसिक स्वास्थ्य सुधार संभव है। यह बात शनिवार को सजग इंडिया, यूकॉस्ट, राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण के सहयोग से सीआईएमएस कॉलेज में सतत विकास एवं मानसिक स्वास्थ्य एक सशक्त भविष्य के लिए विषय पर आयोजित प्री कॉन्क्लेव पैनल चर्चा के दौरान वक्ताओं ने कही। राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग उत्तराखंड के सहायक निदेशक डॉ. पंकज कुमार ने युवाओं में तेजी से बढ़ रहे डिप्रेशन, एंग्जायटी, तनाव और आत्मसम्मान की कमी पर चिंता जताई।

नवरात्रि के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा से मांगा साहस और समृद्धि का आशीष

देहरादून। नवरात्रि के तीसरे दिन शनिवार को मां चंद्रघंटा का अभिषेक किया गया। भक्तों ने मां चंद्रघंटा से साहस, निर्भयता, शांति और समृद्धि का आशीष मांगा। मां को प्रिय नीले रंग के वस्त्र धारण कराए गए। मां कालिका मंदिर में मुख्य पुजारी चंद्र प्रकाश ममगाई ने कहा कि मां चंद्रघंटा अपने भक्तों के कष्टों को दूर करती हैं, नकारात्मक ऊर्जा और भय से रक्षा करती हैं और जीवन में स्थिरता व कल्याण प्रदान करती हैं। इससे पहले मुख्य पुजारी ने देवी देवताओं को आमंत्रित कर उनका पूजन किया। जिसमें सर्व प्रथम गणेश पूजन, मां कालिका का पूजन, घंटी पूजन, शंख पूजन, सूर्य पूजन, गणेश पूजन लक्ष्मी पूजन व नवग्रह पूजन किया। मां कालिका यज्ञशाला में दैनिक यज्ञ के दुर्गा सप्तशती, गायत्री मृत्युंजय, श्री विष्णु सहस्त्रनाम, नवग्रह अनादि मंत्र के माध्यम से समस्त विश्व कल्याण के लिए आहुतियां प्रदान की गयी। प्रचार मंत्री संजय आनंद ने बताया रविवार को प्रातः कालीन व सायंकाल सत्र से शक्ति महासम्मेलन पर पधारे हुए संत अपने विचार रखेंगे। मंदिर प्रांगण में विशेष भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें सभी भक्तों को पैक प्रसाद दिया गया। इस अवसर पर समिति के भारत भूषण शर्मा, भारत आहूजा,गगन सेठी, जय किशन कक्कड़, श्याम अरोड़ा, अमित अरोड़ा, हर्ष गिरोठी, जितेंदर अरोड़ा, गौरव साहनी, नरेश मैनी, अशोक लांबा, महेश डोरा, विजय अरोड़ा, महेश डोरा, प्रदुमन मैनी, अनिरुद्ध गुप्ता, नीरज जिंदल, प्रेम बजाज, सतीश मेहता, सिद्धार्थ आनंद, उमेश मारवाह मौजूद रहे। सिद्ध पीठ सनातन धर्म मंदिर प्रेम नगर में नवरात्रि के तीसरे दिन भक्तों ने मां चंद्रघंटा की पूजा अर्चना की। भक्तों ने माता का दरबार सजाया। माता की भव्य आरती और सुंदरकांड का पाठ किया गया।

किच्छा में ईद पर सभी धर्म के गुरुओं का किया सम्मान

रुद्रपुर। ईद–उल–फितर के मौके पर नगर की मस्जिदों में देश में अमन शांति की दुआ कर नमाज अदा की गई। इस मौके पर पूर्व सभासद नजाकत खान के कार्यालय में सभी धर्मों के गुरुओं को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

शनिवार सुबह से बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने ईद की नमाज अदा करने के बाद एक दूसरे को गले लगा कर ईद की मुबारकबाद दी। पूर्व सभासद नजाकत खान के कार्यालय पर ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें विधायक तिलकराज बेहड़, पंडित ब्रह्मानंद शर्मा, गुरुद्वारा दरबार साहब के ग्रंथी अंग्रेज सिंह और नात खां नासिर सुभानी को शाल ओढ़ाकर एवं बुके भेंट कर सम्मानित किया गया। विधायक राज बेहड़ ने कहा कि तराई कौमी एकता के गुलदस्ते के रूप में जाना जाता है। यहां भाजपा मंडल अध्यक्ष गोल्डी गोराया, विधायक प्रतिनिधि गौरव बेहड़, पूर्व पालिकाध्यक्ष दर्शन कोली, राजेश प्रताप सिंह, सुनील ठाकुर, संजीव चौधरी, वीरू बाठला, फिरासत खान, अशोक मित्रा, गुलशन सिंधी, डा. सैय्यद इकबाल, सैय्यद नसीम मियां आदि मौजूद रहे।

कोल गांव अब भी सड़क से वंचित, ग्रामीणों ने चक्का जाम की चेतावनी दी

नई टिहरी। थौलधार ब्लॉक में नगुण पट्टी का विकोल गांव पांच किमी सड़क सुविधा से नहीं जुड़ पाया है। इससे ग्रामीणों को सड़क तक पहुंचने के लिए तीन किमी की पैदल दूरी नापनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है, वह 2017 से स्थानीय विधायक, लोनिवि, मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री तक गुहार लगा चुके हैं लेकिन विकोल के लिए पांच किमी की स्वीकृति नहीं मिल पाई है। परेशान ग्रामीणों ने छह अप्रैल को नगुण–भवान–अलमस मोटर मार्ग पर चक्का जाम करने की चेतावनी दी है। थौलधार के पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख गुलाब सिंह बरवाण ने डीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि 12 सौ की आबादी वाला विकोल गांव सड़क सुविधा से वंचित है। गांव के लोग 2017 से लगातार संबंधित अधिकारियों, विधायक और सीएम से पत्राचार करते आ रहे हैं। लेकिन अभी तक सड़क की स्वीकृति नहीं मिल पाई है। उन्होंने बताया कि गांव में सड़क नहीं होने के कारण ग्रामीणों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कोई बीमार होता है, तो उसे कंडी के सहारे पहुंचाना पड़ता है। कोई भारी सामान गांव पहुंचाने के लिए भी मशक्कत करनी पड़ती है। पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख ने बताया कि गांव में तीन प्राथमिक स्कूल, एक उच्च प्राथमिक स्कूल और तीन आंगनबाड़ी केंद्र है। ज्यादा पैदल होने के कारण शिक्षक–कर्मचारी भी गांव जाने को कतराते हैं। उन्होंने कहा कि थौलधार ब्लॉक के उनियाल गांव से विकोल के लिए शीघ्र ही पांच किमी सड़क की स्वीकृति प्रदान नहीं की जाती है, तो छह अप्रैल को नगुण–भवान–अलमस मोटर मार्ग पर चक्का जाम कर आंदोलन शुरू किया जाएगा।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com